वर्ष : 33 ▸ अंक : 140 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 5 अगस्त 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की बैठक

288 में से 120 सीटों पर लड़ने की तैयारी

- 7 अगस्त को MVA की मीटिंग
- लोकसभा चुनाव में 13 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस का बढ़ा हुआ है मनोबल

धीरज सिंह | मुंबई

आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर मुंबई में रविवार को मुंबई कांग्रेस और महाराष्ट्र कांग्रेस की दो अलग-अलग बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस पार्टी ने 7 अगस्त को होने वाली विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी (MVA) की मीटिंग को लेकर अपनी रणनीति बनाई। लोकसभा चुनाव में 13 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस का मनोबल बढ़ा हुआ है। इस कारण कांग्रेस लगातार ज्यादा सीटों की मांग कर रही है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों में से करीब 110- 120 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती है। 7 अगस्त को विधानसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग का फॉर्मूला और अन्य पहलुओं पर महाविकास अघाड़ी की बैठक होनी है। इसमें शिवसेना (UBT), कांग्रेस, NCP शरदचंद्र पवार तीनों प्रमुख पार्टी के वरिष्ट नेता शामिल होंगे।

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष बोलीं- मीटिंग में पार्टी ने चुनाव की रणनीति बनाई

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड ने कहा– महाविकास आघाड़ी की बैठक से पहले मुंबई में मुंबई कांग्रेस और महाराष्ट्र कांग्रेस की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला के सामने विधानसभा चुनाव में पार्टी की रणनीति, मुद्दों पर चर्चा हुई। आगे उन्होंने कहा कि मुंबई को लेकर मेरी बात उद्धव ठाकरे से हुई है। बातचीत का दौर अभी शुरू है। हम लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे। बैठक में महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, बालासाहेब थोरात, वर्षा गायकवाड़ समेत महाराष्ट्र कांग्रेस के तमाम बड़े नेता मौजूद रहेंगे।

आदित्य ठाकरे के खिलाफ चाचा राज ठाकरे उतार सकते हैं कैंडिडेट

राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) वर्ली विधानसभा सीट पर शिवसेना (UBT) विधायक आदित्य ठाकरे के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतार सकती है। इस सीट से मनसे संदीप देशपांडे को मैदान में उतारने की संभावना है। हालांकि, इसको लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं आई है। मनसे नेता देशपांडे वर्ली निवासियों की समस्याओं को लगातार उठा रहे हैं। शनिवार को राज ठाकरे ने वर्ली की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी।

नवंबर 2024 को बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) सरकार का कार्यकाल खत्म होगा

- महाराष्ट्र में इस वक्त बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) की सरकार है। इसका कार्यकाल 8 नवंबर 2024 को खत्म हो रहा है। अक्टूबर 2024 में चुनाव हो सकते हैं। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर 2019 में चुनाव हुए थे। बीजेपी 106 विधायकों के साथ राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी।
- मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवसेना और बीजेपी गठबंधन में बात नहीं बन पाई। 56 विधायकों वाली शिवसेना ने 44 विधायकों वाली कांग्रेस और 53 विधायकों वाली NCP के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी बनाकर सरकार बनाई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने।
- मई 2022 महाराष्ट्र सरकार में नगर विकास मंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने 39 विधायकों के साथ बगावत कर दी। वह बीजेपी के साथ मिल गए। 30 जून 2022 को एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के 20वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।
- इसके साथ ही शिवसेना पार्टी दो गुटों में बंट गई। एक धड़ा शिंदे गुट और दूसरा उद्धव गुट का बना। 17 फरवरी, 2023 को चुनाव आयोग ने आदेश दिया कि पार्टी का नाम 'शिवसेना' और पार्टी का चुनाव चिह्न 'धनुष और तीर' एकनाथ शिंदे गुट के पास रहेगा।
- महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में NDA 17 और INDIA ने 30 सीटें जीतीं, एक निर्दलीय को
- लोकसभा चुनाव 2024 में महाराष्ट्र की 48 सीटों में बीजेपी 9 सीटों पर जीती। गठबंधन की सहयोगी NCP ने एक सीट जीती। शिव सेना (शिंदे गुट) को 7 सीटों पर जीत मिली।
- INDIA ब्लॉक में शामिल कांग्रेस ने 13 सीटें जीतीं। शिव सेना (UBT) 9 सीटों पर जीत चुकी है। NCP शरद चंद्र पवार ने 8 सीटों पर जीत हासिल की। सांगली सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार जीता।

महाराष्ट्र में सत्ता का समीकरण

288 कुल सीटें | 144 बहुमत का आंकड़ा

NDA	MVA
भाजपा: 103	कांग्रेस: 37
शिवसेना: 37	शिवसेना (UBT): 15
NCP: 39	NCP (SP): 13
अन्य: 22	अन्य: 2
कुल: 201	कुल: 67

अन्य पार्टियां: MIM : 2 | SP : 2 | CPI(M) : 1

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा

खूनी झड़प में अब तक 70 की मौत

भारत ने जारी की एडवाइजरी

एजेंसी | ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक बार फिर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों और सत्तारूढ़ अवामी लीग के समर्थकों के बीच रविवार को खूनी झड़प में 70 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों अन्य घायल हुए हैं। संख्या और बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि पीएम शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी 'असहयोग कार्यक्रम' में भाग लेने पहुंचे थे, जहां अवामी लीग, छात्र लीग और जुबो लीग के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया और फिर दोनों पक्षों के बीच झड़प शुरू हो गई। कुछ ही देर में बवाल इतना बढ़ गया कि आक्रोशित लोगों ने सड़क पर वाहनों में आग लगा दी। सरकार ने एक बार फिर राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू का ऐलान किया है। उधर, भारत ने भी बांग्लादेश में रह रहे अपने नागरिकों को अलर्ट पर रहने को कहा है। एडवाइजरी के साथ हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है।

महीनों से हिंसा की आग में झुलस रहा बांग्लादेश अभी तक उबरा नहीं है। रविवार को अवामी लीग समर्थकों और पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों की झड़प हो गई। प्रदर्शनकारी सड़कों पर शांति के साथ पीएम शेख हसीना के इस्तीफे की मांग कर रहे थे, तभी अवामी दल के समर्थक वहां आ धमके और दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई। मरने वालों की संख्या अब 70 तक पहुंच गई है। रिपोर्ट में हालांकि, मृतकों की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है। प्रोथोम अलो अखबार ने अपनी खबर में कहा, 'बांग्लादेश के 13 जिलों में झड़प हुई है।'

भारतीयों को अलर्ट पर रहने की सलाह

बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों से चल रही हिंसा में कम से कम 200 लोग मारे जा चुके हैं। ताजा झड़प में 70 लोग मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हैं। भारत ने बांग्लादेश में रह रहे भारतीयों को अलर्ट पर रहने की सलाह दी है। भारत ने X पर संदेश में कहा, हम सिलहट में रहने वाले छात्रों सहित सभी भारतीय नागरिकों से भारतीय उच्चायोग कार्यालय के संपर्क में रहने का अनुरोध करते हैं। साथ ही उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। आपात स्थिति के मामले में, कृपया +88-01313076402 पर संपर्क करें।'

हसीना समर्थकों की प्रदर्शनकारियों से खूनी झड़प

एक खबर के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग की और आरक्षण में सुधार को लेकर हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए। प्रदर्शनकारी असहयोग आंदोलन के पहले दिन राजधानी के साइंस लैब चौराहे पर भी एकत्र हुए और उन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए। इस बीच सत्ताधारी पार्टी अवाम पार्टी के समर्थकों और पुलिस से प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई।

न्यूज़ ब्रीफ

वायनाड लैंडस्लाइड, तबाह घरों में चोरी हो रही, अब तक 365 मौतें; 206 लापता

नई दिल्ली। केरल के वायनाड में 29 जुलाई की आधी रात भारी बारिश के बाद हुए लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 365 पहुंच गई है। इनमें 30 बच्चे शामिल हैं। हादसे के छठे दिन भी रविवार को सर्च ऑपरेशन जारी है। 206 लोग अब भी लापता हैं। केरल के CM पी. विजयन ने शनिवार को कहा- वायनाड लैंडस्लाइड में घर-जमीन खो चुके लोगों के पुनर्वास के लिए सरकार एक टाउनशिप बनाएगी। यहां लैंडस्लाइड प्रभावित इलाके में बचे हुए लोगों को बसाया जाएगा। राहुल गांधी और कर्नाटक सरकार ने भी लैंडस्लाइड पीड़ितों के लिए 100 घर बनाने का ऐलान किया है। धर, ख़बरों के मुताबिक लैंडस्लाइड के बाद रिलीफ कैंप में रह रहे लोगों का कहना है कि उनके घरों में चोरियां हो रही हैं। कुछ लोग रात के समय आकर घरों से कीमती सामान चुरा रहे हैं। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद अब पुलिस चोरों को पकड़ने के लिए पेट्रोलिंग कर रही है।

सहारनपुर में पटरी से उतरी पैसेंजर ट्रेन, अधिकारियों में मचा हड़कंप

सहारनपुर। दिल्ली से सहारनपुर के बीच संचालित होने वाली मेमू ट्रेन रविवार को पटरी से उतर गई। ट्रेन के डिरेल होने की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में अधिकारी मौके पर पहुंचे और मुआयना किया। ट्रेन में कोई भी यात्री नहीं था। रविवार दोपहर डेढ़ से दो बजे के बीच दिल्ली से सहारनपुर के बीच संचालित होने वाली ट्रेन नंबर 01619 वांशिग लाइन से गुजरते हुए पटरी से उतर गई। रविवार को ट्रेन अपने निर्धारित समय से करीब डेढ़ घंटे की देरी से सहारनपुर स्टेशन पहुंची। ट्रेन के सहारनपुर पहुंचने का समय सुबह 10.55 बजे का है। ट्रेन दोपहर 12.26 बजे सहारनपुर पहुंची। खाली होने के बाद ट्रेन को वॉशिंग लाइन ले जाया जा रहा था। जैसे ही ट्रेन शारदा नगर पुल के नीचे पहुंची तो पटरी से उतर गई। पटरी से उतरते ही काफी तेज आवाज आई। इसके बाद आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। लोको पायलट ने हादसे की खबर कंट्रोल रूम को दी। कंट्रोल रूम को जानकारी मिलने के बाद आनन-फानन में रेलवे अधिकारी तकनीकी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

अमरनाथ के लिए जम्मू से तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 1,100 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था आज रविवार तड़के जम्मू के एक आधार शिविर से रवाना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार 40 वाहनों में सवार 1,112 तीर्थयात्रियों का 38वां जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच तड़के तीन बजकर 25 मिनट पर भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ है। प्राकृतिक रूप से निर्मित हिम शिवलिंग अब पूरी तरह से पिघल चुका है और इसे बीते एक हफ्ते में तीर्थयात्रियों की संख्या में लगातार आ रही गिरावट की मुख्य वजह माना जा रहा है। हालांकि लगभग 5,000 तीर्थयात्री अभी भी दैनिक आधार पर गुफा मंदिर में दर्शन करने पहुंच रहे हैं। अमरनाथ यात्रा 14 अगस्त को अपने अंतिम चरण में प्रवेश करेगी, जब भगवान शिव की पवित्र छड़ी 'छड़ी मुबारक' पहलगाम में यात्रा में शामिल होगी।

चुनाव से पहले कई ऐलान, वादों में भी छाए किसान

क्या हरियाणा में बैकफुट पर आ चुकी है बीजेपी?

एजेंसी | चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को राज्य में किसानों के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। सीएम ने किसानों के 133 करोड़ के बकाए कर्ज को माफ करने की घोषणा की है साथ ही 10 नई फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर ख़रीदने की बात भी कही है। जिसके बाद यह कहा जा रहा है कि चुनाव से पहले भाजपा यहां बैकफुट पर जा चुकी है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव से पहले किसानों के मुद्दों पर अड़ी बीजेपी उनके लिए नए-नए ऐलान कर रही है। रविवार को हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र में विजय शंखनाद रैली के के जरिए चुनावी बिगुल फूंका। यहां उन्होंने किसानों के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने किसानों की जमीन का 133 करोड़ रुपए का बकाया माफ करने की घोषणा की। सीएम सैनी ने कहा कि अभी तक हम 14 फसलों को एमएसपी पर खरीदते रहे हैं, लेकिन अब से 10 नई फसलें भी एमएसपी पर खरीदी जाएंगी। इस तरह कुल 24 फसलें (जिन 24 फसलों को केंद्र सरकार एमएसपी पर खरीदती है) हरियाणा सरकार एमएसपी पर खरीदेगी।

पहले भी किए थे ऐलान

इससे पहले भी नायब सिंह सैनी ने 27 जून को ऐलान किया था कि दिसंबर 2023 तक ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए आवेदन करने वाले किसानों को जल्दी ही कनेक्शन दे दिए जाएंगे। इसके साथ ही हरियाणा सरकार ने 19 जुलाई को एक घोषणा और की थी कि अगर किसी का पुराना ट्यूबवेल खराब है तो और उसे दूसरी जगह बोर करना पड़ता है तो उसके लिए सौर ऊर्जा की शर्त को भी हटा लिया गया था। इसके साथ ही बिजली निगम द्वारा लगाए ट्रांसफॉर्मर्स के खराब होने पर वह सरकारी खर्चे पर बदले जाएंगे।

लोकसभा चुनाव में नुकसान है वजह

हरियाणा सरकार के इन ऐलानों के बाद सियासी चर्चाओं का बाजार गर्मा गया है। कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में हुए नुकसान के मद्देनजर बीजेपी बैकफुट पर है। इसी वजह से वह किसानों के लिए नए-नए ऐलान कर रही है। क्योंकि माना ये जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में हरियाणा में बीजेपी को सबसे ज्यादा नुकसान किसानों की नाराजगी की वजह से ही हुआ है। पिछले लोकसभा चुनाव में जहां बीजेपी ने राज्य की 10भी सीटों पर कब्जा जमाया था वहीं 2024 में उसे आधी सीटें ही मिली हैं।

हरियाणा पॉलिटिक्स और किसान

हरियाणा में किसान डॉमिनेटेड पॉलिटिक्स का चलन रहा है। जो पार्टी किसानों को खुश करने में कामयाब रही उसे सत्ता हासिल हुई है, वहीं जिसने किसानों की नाराजगी मोल ली उसकी कुर्सी जाती रही है। इस लिहाज से देखा जाए तो बीजेपी आने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव में नुकसान नहीं उठाना चाहती है। इसके अलावा पिछली बार विधानसभा चुनाव में वह बहुमत से दूर भी रह गई थी। ऐसे में किसानों को लुभाना और उनकी समस्याओं को चुनावी मुद्दा बनाना लाजमी है।

'2029 में भी मोदी जी आएंगे'

पूरे 5 साल चलेगी NDA सरकार : अमित शाह

एजेंसी | चंडीगढ़

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ के मनीमाजरा में चौबीस घंटे जलापूर्ति सुनिश्चित करने वाली परियोजना का रविवार को उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने चंडीगढ़ में कहा भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को तीन चुनाव में मिली सीट से अधिक सीट जीतीं। उन्होंने आगे कहा कि राजग सरकार न केवल अपना यह कार्यकाल पूरा करेगी, बल्कि अगला कार्यकाल भी इसी सरकार का होगा।

'2029 में एनडीए आएगा, मोदी जी आएंगे'

शाह ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि विपक्ष को जो करना है करने दो, 2029 में एनडीए आएगा, मोदी जी आएंगे। वे (विपक्ष) नहीं जानते कि इस चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस को तीन चुनावों में मिली सीटों से अधिक सीटें जीती हैं। उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि ये लोग जो अस्थिरता फैलाना चाहते हैं, बार-बार कहते हैं कि ये सरकार टिकने वाली नहीं है। मैं उन्हें आश्वस्त करने आया हूं कि न केवल सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी बल्कि अगली सरकार एनडीए की होगी और वे विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहेंगे और विपक्ष में ठीक से काम करने का तरीका सीखेंगे।

परियोजना से 1 लाख से ज्यादा लोगों को होगा फायदा

गृह मंत्री ने कहा कि आज जिस परियोजना का उद्घाटन किया गया है, उससे 24 घंटे आपको (लोगों को) पानी मिलेगा। आज से बहनों को अलार्म नहीं लगाना पड़ेगा, आप टेप ऑन कर लीजिए, पानी मिल जाएगा। कोई टैंकर नहीं होगा। इस पर 75 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इससे 1 लाख से ज्यादा लोगों को फायदा होगा। कुल 75 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित इस परियोजना से मनीमाजरा के एक लाख से अधिक निवासियों को लाभ मिलेगा, जिनमें मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, शिवालिक एन्क्लेव, इंदिरा कॉलोनी और शास्त्री नगर में रहने वाले लोग भी शामिल हैं। 'स्मार्ट सिटी मिशन' के तहत शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य निरंतर उच्च दबाव आपूर्ति के माध्यम से इसके भंडारण को कम करके पानी की बर्बादी को रोकना है। परियोजना के अन्य उद्देश्यों में रिसाव में कमी, 'स्मार्ट मीटरिंग', भूजल पर सीमित निर्भरता और ऊर्जा खपत की निगरानी के माध्यम से जल संवर्धन शामिल हैं। इस परियोजना के लिए कुल 22 किलोमीटर लंबी जलापूर्ति पाइपलाइन बिछाई गई है और दो भूमिगत जलाशय बनाए गए हैं।

3 दिन जमकर बरसेंगे बदरा, यलो अलर्ट

दिल्ली-NCR में तेज हवाओं के साथ बारिश, उखड़े पेड़

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर के कई हिस्सों में रविवार को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई जिससे लोगों को उमस से राहत मिली। नोएडा में तेज आंधी के साथ बारिश दर्ज की गई है। दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। दिल्ली लोक निर्माण विभाग ने कहा कि उसे दक्षिण, मध्य और रोहिणी क्षेत्रों से जलभराव और पेड़ उखड़ने की पांच शिकायतें मिलीं। मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली एनसीआर के इलाकों में एक बार फिर जोरदार बारिश का मौसम बन रहा है।

एक अगस्त को 107.6 मिमी बारिश की गई थी रिकॉर्ड

हालांकि छह अगस्त से पहले लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। हाल के दिनों में दिल्ली एनसीआर के शहरों में जोरदार बारिश देखी गई थी। इससे दिल्ली के कई इलाकों में पानी भर गया था। आंकड़े बतलाते हैं कि अभी तक जितनी बारिश हुई है उसका लगभग 80 फीसदी हिस्सा इन छह दिनों में ही बरसा है। बीते 28 जून को केवल 24 घंटे में 228 .1 मिलीमीटर पानी बरसा था जबकि, एक अगस्त को 107 .6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई थी।

6 अगस्त से मौसम बदलेगा तो जोरदार बारिश देखने को मिलेगी : IMD की मानें तो अगले 2 दिनों के दौरान दिल्ली में भारी बारिश तो नहीं होगी लेकिन इसके बाद जब 6 अगस्त से मौसम बदलेगा तो जोरदार बारिश देखने को मिलेगी। IMD का कहना है कि दिल्ली में 6 से आठ अगस्त तक मौसम खराब रहेगा। IMD ने इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश होगी। मौसम विभाग ने इसको लेकर यलो अलर्ट भी जारी किया है। दिल्ली में रविवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 27 .4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से एक डिग्री अधिक है। IMD की मानें तो दिल्ली के साथ ही NCR के शहरों में 6 से आठ अगस्त तक जोरदार बारिश वाला मौसम रहेगा। दिल्ली समेत एनसीआर के विभिन्न शहरों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। इसको लेकर IMD ने यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज हवाएं भी चलेंगी।

मंदिर परिसर में गिरी 50 साल पुरानी दीवार, नौ बच्चों की मौत

एजेंसी | सागर

मध्य प्रदेश के सागर जिले में एक 50 साल पुराने घर की दीवार गिर गई, जिससे नौ बच्चों की मौत हो गई और आधा दर्जन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घटना शाजापुर के हरदौल मंदिर में हुई, जहां पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया जा रहा था। हालांकि, मंदिर परिसर से सटे एक घर की दीवार अचानक झुक गई, जिससे बच्चे मलबे में दब गए। गौरतलब है कि इस घटना में कुल नौ बच्चों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सागर कलेक्टर दीपक आर्य ने कहा कि घटना सुबह करीब 8.30 बजे की है। दीवार बच्चों के

ऊपर गिर गई, जिससे 9 बच्चों की मौत हो गई और 2 का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि आज सागर जिले के शाहपुर में हुई अतिवृष्टि के कारण जर्जर मकान की दीवार गिरने से 9 मासूम बच्चों के काल कवलित होने की खबर सुनकर मन व्यथित है। घायल बच्चों के उचित इलाज के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया है।

पुणे में बाढ़ का कहर

भारतीय सेना के 105 जवान तैनात

दोपहर संवाददाता । पुणे

पुणे में रविवार को सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश और खडक़वासला बांध से मुथा नदी में पानी छोड़े जाने से निचले इलाकों में शहर में बाढ़ का कहर बरपने लगा है। सिंहगढ़, एकता नगर आदि इलाकों की कई सोसाइटियों में बाढ़ का पानी घुस गया है। इन इलाकों में बाढ़ प्रभावितों को निकालने के लिए भारतीय सेना के 105 जवानों को तैनात किया गया है। पुणे में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें कर रही है। पुणे के बांध क्षेत्रों में भी लगातार बारिश हो रही है। कल सुबह से खडक़वासला में सात मिलीमीटर बारिश हुई है।

पनशेत वरसगांव में 14 मिलीमीटर बारिश हुई है। यरवदा में 16 मिलीमीटर बारिश हुई है। मुलशी तहसील के कुंभेरी में 54 मिमी, तम्हिनी में 31 मिमी और लवासा में 17 मिमी बारिश हुई है। इसलिए उपमुख्यमंत्री ने बांध क्षेत्रों का जलस्तर 65 फीसदी तक ही रखने का आदेश दिया है। इसलिए बांधों से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। बारिश की मात्रा के आधार पर बांध का डिस्चार्ज फिर से कम या ज्यादा किये जाने की संभावना है। इसके चलते बचाव कार्य के लिए भारतीय सेना द्वारा नावें, ट्यूब, विभिन्न सामग्रियां लाई गई हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आज सुबह ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को स्थानांतरित कर सुरक्षित स्थलों पर आश्रय शिविरों में रखने और उन्हें हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश प्रशासन को दिया है।

ठाणे के पांच विधान सभा में बीजेपी का जीत का दावा

दोपहर संवाददाता । ठाणे

भाजपा ठाणे शहर जिले के शनिवार को दिन भर चली जिला कार्यकारिणी की बैठक में पांचों विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी ने जीत का दावा किया है। इसके अंतर्गत आने वाले ठाणे शहर, कोपरी-, पांच पखाड़ी, ओवला- माझीवाड़ा, कलवा-मुंब्रा और कल्याण ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के लिए जनसंपर्क अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। भाजपा की बैठक में लोकसभा चुनाव की तरह ही महागठबंधन के नेताओं द्वारा तय किये गये उम्मीदवारों की जीत के लिए कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर टीम बनाकर प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार का बिगुल भी फूंका

गया। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश के महाधिवेशन के बाद भाजपा ठाणे शहर जिला विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक खारकर अली स्थित महाजनवाड़ी स्थित सभागृह में आयोजित की गई। इस मौके पर प्रदेश महासचिव माधवी नाइक, विधायक संजय केलकर, विधायक निरंजन डावखरे, ठाणे लोकसभा अध्यक्ष जयप्रकाश ठाकुर, जिला अध्यक्ष संजय वाघुले, ठाणे शहर विधानसभा अध्यक्ष सुभाष काले, ओवला-मजीवड़ा विधानसभा अध्यक्ष मनोहर डुंबरे, महासचिव मनोहर सुगदारे, सचिन पाटिल, विलास साठे, और डॉ. समीरा भारती,आदि मौजूद थीं।इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई देने का प्रस्ताव पारित किया गया. ।इसके बाद. विधायक निरंजन डावखरे के सुझाव के अनुसार कोंकण की छह में से पांच सीटों पर महागठबंधन का झंडा फहराने में अहम भूमिका निभाने वाले लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण को बधाई देने के प्रस्ताव को भी सहमति दी गई। इस मौके पर विधायक संजय केलकर ने आगामी विधानसभा चुनाव जीतने के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ताओं को इसके बाद होने वाले नगर निगम चुनाव के लिए भी तैयार रहने के निर्देश दिए।

शहर की सड़कों पर गड्ढों की हालत जस की तस

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी मनपा क्षेत्र में हर जगह की सड़कें आज भी बेशुमार गड्ढों से भरी हैं। नागरिकों के धरना मोर्चा और प्रदर्शन के बाद मनपा प्रशासन आनन फानन में सड़कों के गड्ढों में कई जगह मिट्टी और मसाला मिक्स खड़ी डालकर गड्ढे भर देता है। कुछ स्थानों पर गड्ढों को पेवर ब्लॉक्स से लेपित किया गया है। लेकिन लगातार बारिश शुरू होने के बाद ये फेवर ब्लॉक भी उखड़ कर बह गये, क्योंकि घटिया दरजे के पेवर ब्लॉक गलत तरीके से बिठा गए थे। इसके चलते यह गड्ढायुक्त सड़क वाहन चालकों के लिए और भी मुसीबत बनती जा रही है। ऐसी ही स्थिति भिवंडी शहर के धामनकर नाका से कल्याण नाका इलाके तक की सड़क पर हो गई है। इस सड़क पर लगे पेवर ब्लॉक उखड़ जाने से

आए दिन इन गड्ढों में कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। शहर की कुछ सड़कों की मरम्मत के लिए गढ़ों में खड़ी डाली गई थी वह भी बह गई और गधों के भरने के लिए सबसे मजबूत माने जाने वाले पेवर ब्लाक भी टूट कर बह गए। अब आम नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि मनपा प्रशासन इस ओर कब ध्यान देगा ? जिससे आम नागरिक और वाहन चालकों के जान माल की सुरक्षा निश्चित की जा सके।

ठाणे में युवक का अपहरण कर लूटपाट, दो लोग गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र में ठाणे शहर के 19 वर्षीय एक व्यक्ति का अपहरण, मारपीट और लूटपाट करने के आरोप में पुलिस ने रविवार दो लोगों को गिरफ्तार किया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शनिवार को छह लोगों के एक समूह ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता को एक स्क्रीनशॉट दिखाकर उससे पैसे की मांग की। उस स्क्रीनशॉट में आरोपियों ने उसे क्रिप्टोकरेंसी भेजने का दावा किया था। अधिकारी ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि जब शिकायतकर्ता ने उन्हें पैसे देने से मना कर दिया तो छह लोग उसे एक गाड़ी में डालकर मुंब्रा बाईपास पर एक पुल के पास ले गए, जहां उन्होंने

उसकी पिटाई की और उसके पास मौजूद 3,000 रुपये छीन लिए। उन्होंने बताया कि बाबू कैफ, अरशद आदिल अंसारी, आमिर खान, आकिब आरिफ खान, मोहम्मद आदिल अंसारी और फरहान शेख ने युवक को छोड़ने से पहले कैमरे पर यह कहने के लिए कथित तौर पर मजबूर किया कि उस पर उनका पैसा बकाया है। नौपाडा पुलिस थाने के प्रभारी ने बताया कि अरशद और आकिब को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा अन्य की तलाश जारी है।

लग्जरी बस और कार में टक्कर

दो महिलाओं की मौत

दोपहर संवाददाता । पुणे

पुणे जिले में कल्याण-अहमदनगर हाईवे पर पिंपलगांव जोगा इलाके में रविवार को लग्जरी बस और कार के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में तीन लोग घायल हुए हैं, तीनों का इलाज आलेपाटा इलाके के निजी अस्पताल में हो रहा है। पुलिस के अनुसार रविवार दोपहर में लग्जरी बस अलेफाटा से कल्याण की ओर और कार कल्याण से अहमदनगर की ओर जा रही थी। पिंपलगांव के पास दोनों वाहनों में जोरदार टक्कर होने से कार में सवार रिया गायकर और कुसुम शिंगोटे की मौके पर

ही मौत हो गई। ओतुर पुलिस स्टेशन की टीम ने कार में से तीन अन्य घायलों को आलेफाटा स्थित अस्पताल में भर्ती करवाया है। इस घटना में बस में सवार कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ है।

सड़क दुघर्टना में मारे गए व्यक्ति के परिवार को 11.3 लाख रुपये दिए जाएं : ठाणे एमएसीटी

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2019 में मोटरसाइकिल दुर्घटना में मारे गए 57 वर्षीय एक व्यक्ति के परिवार को 11.3 लाख रुपये का मुआवजा दिए जाने का आदेश दिया है। एमएसीटी अध्यक्ष एस बी अग्रवाल ने मोटरसाइकिल में टक्कर मारने वाले डंपर के मालिक और बीमा कंपनी 'बजाज एलायंज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड' को संयुक्त रूप से और अलग-अलग मुआवजा देने का आदेश दिया। न्यायाधिकरण ने कहा कि साथ ही याचिका दायर करने की तारीख से 7.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज भी देय होगा। आदेश में कहा गया कि याचिकाकर्ता केवल 10.4 लाख रुपये पर ही ब्याज के पात्र होंगे। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वकील ए. आर. यादव ने

न्यायाधिकरण से कहा कि रामसिंघासन बृजबासी साहनी 25 जून, 2019 को सियोन-ट्रॉम्बे सड़क से गुजर रहे थे कि उसी दौरान एक तेज रफ्तार डंपर ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। यादव के अनुसार, इस हादसे में साहनी बुरी तरह घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। न्यायाधिकरण में सुनवाई के दौरान डंपर का मालिक पेश नहीं हुआ और उसके विरुद्ध इस मामले में एकपक्षीय निर्णय सुनाया गया।

मूलभूत नागरिक सुविधा से कोसों दूर है भिवंडी के लाखों रहवासी

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

महाराष्ट्र में एक शहर है भिवंडी जहां के लाखों नागरिक इस आधुनिक युग में भी तमाम मूलभूत सुविधा जैसे स्वच्छता, अच्छी सड़क, बेहतर अस्पताल, अच्छी शिक्षा, स्वच्छ पीने का पानी, सार्वजनिक शौचालय से आज भी कोसों दूर है। प्रबुद्ध नागरिकों का मानना है कि भिवंडी जैसे शहर को किसी भी तरह से शहर का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। क्योंकि भिवंडी शहर का कोई माई बाप नहीं है। सब राम भरोसे चल रहा है। मनपा प्रशासन द्वारा नागरिकों से करोड़ों रुपए घरपट्टी, पानी पट्टी वसूली के बाद भी शहरवासियों को मूलभूत समस्याएं मुहैया कराने में असफल साबित हुआ है। नागरिकों की मानें तो भिवंडी शहर की बदहाली के लिए तमाम जनप्रतिनिधि, मनपा अधिकारी, वा ठेकेदार बने पूर्व रिटायर्ड अधिकारी और पूर्व नगरसेवक है। भिवंडी मनपा

के अधिसंख्य पूर्व नगरसेवक, अधिकारी फर्जी ठेकेदार बन कर संबंधित अधिकारियों से साठगांठ कर घटिया कार्य अंजाम देकर लाखों,करोड़ों का भुगतान निकाल कर मनपा सहित शहर का बंटाधार कर दीमक की तरह चाट कर खोखला कर रहे हैं। यह बेहद शर्मनाक है कि,प्रदेश की सत्ता से उच्च राजनीतिक संरक्षण प्राप्त मनपा प्रशासक अजय वैद्य भी कहीं ना कहीं भिवंडी शहर की इस दुर्दशा और बर्बादी का अहम किरदार बखूबी निभा रहे हैं।

मनपा का ठेका पूर्व जनप्रतिनिधियों के हाथ

भिवंडी में तमाम पूर्व नगरसेवक,अधिकारी अब कचरा ढुलाई, नाला, गटर, सफाई,निर्माण कार्य के ठेके में लिप्त है। मनपा की सत्ता में गरिमामय पदों पर रहने वाले कई गणमान्य लोग भी मुफ्त कमाई का लालच नहीं छोड़ पाए हैं। पूर्व जनप्रतिनिधि एवम अधिकारी मंडली गटर, नाली निर्माण, प्योर ब्लॉक लगाना, कचरा ढुलाई एवं नाला सफाई जैसे जनहित सुविधा से जुड़े आवश्यक कार्य भी आधा अधूरा अंजाम देकर संबंधित विभागीय अधिकारियों से साठगांठ कर भुगतान लेकर मनपा तिजोरी को चूना लगा रहे हैं।

मनपा प्रशासक की भ्रष्टाचार पर चुप्पी संदिग्ध

पूर्व जनप्रतिनिधि, अधिकारी रहे ठेकेदारों की बदौलत शहर का बंटाधार हो गया है। प्रतिमाह करीब 2.5 करोड़ रुपए ठेकेदारों को चुकाने के बावजूद शहर में सर्वत्र कचरे का साम्राज्य फैला है। शहरवासी कचरे की दुर्गंध झेलने को विवश है। मनपा प्रशासन द्वारा नाला सफाई के लिए करीब 2.5 करोड़ रुपए का टेंडर निकाला गया है। प्रतिवर्ष नाला सफाई में भी भारी भ्रष्टाचार होने से शहर के अधिसंख्य क्षेत्र में जलजमाव होने नागरिकों का भारी नुकसान हो रहा है। नागरिकों का कहना है कि मनपा प्रशासन को शहर विकास कार्यों का टेंडर निकालते समय ठेकेदारों को ही कार्य करने के लिए बंधनकारक करना चाहिए। टेंडर लेने वाले ठेकेदार अगर काम को किसी दूसरे ठेकेदार से कराते हैं तो जांच के बाद बिल भुगतान रोक देना चाहिए।मनपा से टेंडर लेकर विकास कार्य को अंजाम नहीं देने वाले अक्षम ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करना चाहिए। जागरूक नागरिकों ने मनपा कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय जांच की मांग मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे,उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवम उपमुख्यमंत्री अजीत दादा पवार से की है।

7 अगस्त को योद्धा कर्मयोगी पुस्तक का विमोचन राज्यपाल के हाथों

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ संभाजी शिंदे के जीवन पर आधारित कर्मयोगी पुस्तक का विमोचन बुधवार 7 अगस्त को शाम 5 बजे शहर में स्थित गडकरी रंगायत में किया जायेगा। यह जानकारी आनंद गुरुकुल विद्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में मिली। कर्मयोगी पुस्तक के रचयिता डॉ. प्रदीप धवल व डॉ. अरुंधती भालेराव है। इस पुस्तक का प्रकाशन कोंकण मराठी साहित्य परिषद, शारदा एजुकेशन सोसायटी व ग्रंथाली के सहयोग से किया गया है।इस कार्यक्रम में राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजीत पवार, विधान परिषद उपसभापति नीलम गोन्हे, साहित्यकार मधु मंगेश कर्णिक, अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष रवींद्र शोभणे सहित तमाम विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे। सांसद नरेश म्हस्के, विधायक प्रताप सरनाईक, विधायक रवींद्र फाटक ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के राजनीत के शुरुआती दौर से साथ में कार्य कर रहे हैं। डॉ. प्रदीप धवल ने कहा कि मुख्यमंत्री का परिवार सात दशक पहले मुंबई आया इसके बाद ठाणे शहर के किसन नगर से सामान्य शिवसैनिक से आज राज्य के मुख्यमंत्री के पद पर विराजमान हैं। शारदा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष विलास ठुसे ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

आरटीई के तहत दाखिले के बाद पांचवीं और आठवीं में फेल होने वाले बच्चों की कौन चुकाएगा फीस

दोपहर संवाददाता । मुंबई

आठवीं तक विद्यार्थियों को फेल न करने की नीति खत्म होने के बाद अब पांचवीं और आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा में फिर से विद्यार्थी फेल हो रहे हैं। इसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि शिक्षा का अधिकार कानून (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों की 25 फीसदी सीटों पर जिन विद्यार्थियों को दाखिला मिला है क्या सरकार दोबारा उनकी फीस भरेगी। दरअसल कई स्कूलों की पांचवीं और आठवीं की वार्षिक परीक्षा में जो विद्यार्थी असफल रहे हैं उनमें आरटीई के तहत दाखिला लेने वाले विद्यार्थी भी है। ऐसे में कुछ स्कूलों ने इन विद्यार्थियों सवाल पूछना शुरू कर दिया है कि दोबारा उसी कक्षा में पढ़ने के लिए उनकी फीस कौन भरेगा। कई स्कूलों ने आठवीं में असफल बच्चों को लीविंग सर्टिफिकेट भी देना शुरू कर दिया है। यह भी पढ़े -कांग्रेस विधानसभा चुनाव के लिए 20 अगस्त को करेगी शंखनाद, खड़गे- राहुल-पवार-ठाकरे होंगे शामिल आप पालक यूनियन के मुकुंद किर्दत ने इस मुद्दे पर राज्य के शिक्षा आयुक्त और शिक्षा निदेशक (प्राथमिक) को पत्र लिखकर

इस बाबत जानकारी मांगी। इसके बाद अब शिक्षा निदेशक (प्राथमिक) शरद गोसावी ने स्कूली शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर पूछा है कि क्या आरटीई के तहत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के फेल होने पर दोबारा उनकी फीस सरकार की ओर से चुकाई जाएगी। किर्दत ने कहा कि शिक्षा का अधिकार कानून के मुताबिक जिन विद्यार्थियों को आरटीई के तहत दाखिला मिलता है उन्हें 14 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद भी प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक मुफ्त शिक्षा का अधिकार मिलता है। ऐसे में सरकार को असफल होने वाले विद्यार्थियों की भी फीस चुकानी चाहिए।

ट्रैफिक जाम के मकड़जाल का टापू बना भिवंडी शहर

स्कूली छात्रों और अभिभावकों ने काल्हेर में सड़क पर बैठकर पाठशाला लगाई

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

विगत दो वर्ष से ट्रैफिक जाम के मकड़जाल में चारों तरफ से भिवंडी शहर बुरी तरह से घिर गया है। जिससे परेशान भिवंडी शहर का नागरिक तड़प रहा है।भिवंडी शहर से पूरब में मुंबई नासिक हाईवे,पश्चिम में भिवंडी कामन रोड,उत्तर दिशा में भिवंडी वाडा रोड तथा दक्षिण में भिवंडी कशेली ठाणे रोड और बीच में फंसा पावरलूम औद्योगिक भिवंडी शहर बुरी तरह फंसा है। रोज लगाने वाला ट्रैफिक जाम इस समय एक बड़ा राजनैतिक वा सामाजिक मुद्दा बन गया है,क्योंकि 20 किमी की भिवंडी से ठाणे शहर की ढाई घंटे की इस यात्रा में 4 से 5 घंटे लगने के कारण वाहन चालकों और नागरिकों को कठिन परेशानी की यात्रा करनी पड़ रही है। उक्त चारों मार्ग से भिवंडी शहर में आने जाने का अर्थ है मृत्यु को भोगने जैसा कठिन हो गया है। सबसे आश्चर्य की बात है कि विगत दो सालों से लग रहे उक्त चारों सड़कों पर जाम की समस्या को हटाने के लिए स्वयं

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और वर्तमान सांसद द्वारा दी गई चेतावनी का कोई असर संबंधित विभाग के अधिकारियों और ठेकेदारों पर दिखाई नहीं पड़ रहा है। अब तो हद हो गई कि भिवंडी के चारों तरफ लगने वाले ट्रैफिक जाम से परेशान होकर स्कूली छात्रों और अभिभावकों ने काल्हेर में सड़क पर बैठकर पाठशाला लगाई। यह सब देखकर हुक्मरानों को चुल्लू भर पानी में डूब मरने जैसा होना चाहिए, लेकिन निकम्मा शासन प्रशासन किंकर्तव्यविमूढ़ दिखाई पड़ रहा है। भिवंडी ठाणे राजमार्ग राजमार्ग पर अंजुर फाटा से काशेली क्षेत्र में दैनिक यातायात भीड़ के कारण, कई मोटर चालक, नागरिक, छात्र और स्थानीय ग्रामीण पीड़ित हैं। रोज-रोज लगने वाले इस जाम से तंग आकर काल्हेर स्थित परशुराम धोंडू टावरे विद्यालय के छात्र आज शाम चार बजे सड़क पर उतर आये और अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन करते हुए दो घंटे तक सड़क जाम कर दिया।क्योंकि रहनाल, पूर्णा, काल्हेर के ग्रामीणों और स्कूली विद्यार्थियों को अंजूर फाटा से काल्हेर तक इस सड़क पर रोजाना जाम का सामना करना पड़ता है। इस जाम में कई चक्रमणि यात्री फंस रहे हैं।

शकील रजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रजा एकेडमी भिवंडी की पूरी बॉडी भंग

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

हाल ही कई महीनों से रजा एकेडमी मुंबई के मुख्य कार्यालय में भिवंडी से शकील रज़ा के खिलाफ कई शिकायतें लोगों से मिल रही थी कि उनका व्यवहार और कार्यप्रणाली संगठनात्मक नियमों और विनियमों के अनुसार नहीं है। तीन-चार दिन पहले उनका एक ऑडियो क्लिप आया था जिसमें उन्होंने एक सैयदज़ादा और एक धार्मिक विद्वान के बारे में बहुत अपमानजनक बातें कही थीं। उनके इस अभद्र और वीभत्स भाषा के इस्तेमाल से नासिक, जालना, मालेगांव समेत मुंबई में आक्रोश का माहौल पैदा हो गया है। इसके अलावा शकील रजा के खिलाफ भिवंडी में जाहिद मुख्तार द्वारा भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। इस तरह एक आल रसूल से गुस्ताखी और बदतमीजी पर सख्त कार्रवाई करते हुए केंद्रीय बोर्ड रजा एकेडमी मुंबई ने शकील रज़ा को उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया है। साथ ही भिवंडी की पूरी इकाई को भी बर्खास्त कर दी गई है। रज़ा एकेडमी के संस्थापक और प्रमुख मुफ़्ती आज़म अल्हाज मुहम्मद सईद नूरी साहब ने कहा कि रज़ा एकेडमी अपनी स्थापना के बाद से अब तक अपने नियमों और विनियमों के तहत काम करती है, संगठन को प्रतिष्ठित विद्वानों और मशाइखों की विशेष प्रार्थनाएं प्राप्त होती रही हैं और पद पर बैठा व्यक्ति इस तरह की घटिया हरकतें करें अपने किसी भी बुजुर्ग के बारे में इस तरह की अश्लील या अपशब्द कहे, यह असहनीय है और केंद्रीय बोर्ड इसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेगा। ऐसे लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि रजा एकेडमी भिवंडी में पिछले कुछ सालों से कई तरह की शिकायतें मिल रही हैं। हमने काफी हद तक इसे संभालने की कोशिश की है, लेकिन जिस तरह से एक ऑल रसूल को निशाना बनाया गया वह किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है इसलिए भिवंडी रज़ा एकेडमी की पूरी इकाई को बर्खास्त किया जाता है।

दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार
अनुसंधान नया ज्ञान पैदा करता है : नील आर्मस्ट्रांग

मराठा आरक्षण चाहिए तो हमें सत्ता दो :प्रकाश आंबेडकर

दोपहर संवाददाता । मुंबई

ओबीसी आरक्षण बचाने के लिए रैली निकाल रहे वंचित बहुजन आघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर ने रविवार को कहा कि यदि मराठा समुदाय को आरक्षण चाहिए तो वे हमें सत्ता दें। तो वहीं उन्होंने यह भी कहा कि कुणबी मराठों के कारण ओबीसी आरक्षण खतरे में पड़ सकता है। इसलिए ओबीसी समाज विधानसभा चुनाव में कुणबी मराठों से सावधान रहें। कुणबी मराठा उम्मीदवारों को वोट न दें। उनके इस बयान के बाद जहां मराठा और ओबीसी के बीच तनाव और बढ़ने का खतरा बढ़ गया है वहीं राज्य की राजनीति भी गरमा गई।

मराठा समाज और उनके सगे-सोयरे (संबंधियों) को ओबीसी कोटे से पूर्ण आरक्षण की मांग को लेकर लगभग डेढ़ साल पहले शुरू किया गया आंदोलन अब खतरनाक मोड पर पहुंच गया है। मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल की जिद के कारण ओबीसी और मराठा समाज के बीच टकराव की स्थित बनने लगी है। उस पर प्रकाश आंबेडकर ने रविवार को कहा कि कुणबी मराठों से ओबीसी आरक्षण को 100 प्रतिशत खतरा है। ओबीसी आरक्षण बचाओ रैली के दौरान वाशिम के पोहरादेवी पहुंचे आंबेडकर ने जातिवार जनगणना की मांग करते हुए कहा कि ओबीसी आरक्षण 100 फीसदी खतरे में है और यह खतरा चुनाव खत्म होने के बाद पैदा होगा। ऐसा कहते हुए उन्होंने ओबीसी समाज से अपील की कि वे इस विधानसभा चुनाव में कुणबी मराठा उम्मीदवार को वोट न दें। क्योंकि कुणबी मराठा असली ओबीसी नहीं हैं, इसलिए उनसे सावधान रहें। वे भले खुद को ओबीसी कहते हैं लेकिन सदन में मराठों के साथ खड़े रहते हैं। वे धनगर, माली समुदाय, वंजारी, लिंगायत, बंजारा समुदाय के साथ नहीं हैं और तेली, तंबोली, लोहार, सुनार के साथ तो बिल्कुल भी नहीं हैं। आंबेडकर ने याद दिलाया कि विधानसभा में 190 कुणबी मराठा विधायक हैं। यानी ओबीसी विधायक सिर्फ 11 हैं। यदि विधानसभा में प्रस्ताव के समय कुणबी समुदाय खड़ा हुआ तो वे ओबीसी के विरोध में वोट कर सकते हैं। इसलिए ओबीसी समाज को कुणबी के बजाय अन्य ओबीसी उम्मीदवारों को वोट देना चाहिए।

आरक्षण की मांग कर रहे मराठा समाज से आंबेडकर ने कहा कि यदि आरक्षण चाहिए तो आप सत्ता हासिल करने में हमें मदद करें। उन्होंने कहा कि मराठों को ओबीसी से 10 फीसदी आरक्षण पहले ही दिया जा चुका है। मनोज जरांगे ने सरकार को अल्टीमेटम दिया। सरकार को इस संबंध में अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए। मनोज जरांगे पाटिल की मांग पहले ही मान ली गई है। अगर गरीब मराठा आरक्षण चाहते हैं तो उन्हें हमें सत्ता देनी होगी। उनका बरतन अलग रखा कैसे जाए, उन्हें आरक्षण कैसे दिया जाए? इसका एक फॉर्मूला हमारे पास है। लेकिन जब तक हमें सत्ता नहीं मिलेगी हम ये फॉर्मूला नहीं बताएंगे।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री फडणवीस राजनीतिक प्रतिशोध ले रहे हैं : देशमुख

दोपहर संवाददाता । मुंबई/ नागपुर

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख ने रविवार को दावा किया कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे के जरिये उन पर आरोप लगवाकर 'राजनीतिक प्रतिशोध' ले रहे हैं। देशमुख ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में फडणवीस को न्यायमूर्ति चांदीवाल आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की चुनौती दी और दावा किया कि उन्हें 'क्लीन चिट' दे दी गई है। राकांपा (एसपी) के नेता ने कहा, 'सेवानिवृत न्यायमूर्ति चांदीवाल ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह और बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे द्वारा मुझ पर लगाये गये आरोपों की 11 महीने तक जांच की थी और स्पष्ट रूप से कहा कि न तो मैंने और न ही मेरे निजी सहायक ने उनसे पैसे मांगे थे और न ही दिये थे।' वाजे ने देशमुख के खिलाफ रिश्वतखोरी का आरोप शनिवार को दोहराया था। फडणवीस ने इस आरोप की जांच का आश्वासन दिया है।

परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि देशमुख ने गृह मंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान पुलिस अधिकारियों से शहर के बार और रेस्टोरेंट से हर माह 100 करोड़ रुपये वसूलने को कहा था। आरोपों के मद्देनजर देशमुख ने 2021 में गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। वाजे ने पहले जांच आयोग के सामने कहा था कि उन्होंने देशमुख के सहयोगियों को उनके निर्देश पर पैसे पहुंचाये थे। वाजे पर उद्योगपति मुकेश अंबानी के निवास के बाहर जिलेटिन की छड़ें लगाने का आरोप है। उन पर व्यापारी मनसुख हिरन की हत्या के सिलसिले में भी मामला दर्ज किया गया है। वह फिलहाल नवी मुंबई की तलोजा जेल में हैं।

'दो साल पहले न्यायमूर्ति चांदीवाल ने सरकार को सौंपी थी रिपोर्ट'

देशमुख ने फडणवीस पर वाजे के माध्यम से आरोप लगवाकर 'राजनीतिक प्रतिशोध' लेने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि छह बार तलब किये जाने के बाद भी परमबीर सिंह न्यायमूर्ति चांदीवाल आयोग के सामने पेश नहीं हुए। उन्होंने कहा, 'आखिर में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया और तब सिंह ने हलफनामा देकर कहा कि मुझ पर लगाये गये आरोप मौखिक सूचना पर आधारित हैं एवं उनके पास इस बात का कोई सबूत नहीं है।' देशमुख ने कहा कि न्यायमूर्ति चांदीवाल ने दो साल पहले सरकार को रिपोर्ट सौंपी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने कई बार फडणवीस को पत्र लिखकर उनसे इस जांच आयोग के निष्कर्षों को सामने रखने का अनुरोध किया था। लेकिन उन्होंने अब तक न तो इसे सार्वजनिक किया और न ही इसे राज्य विधानमंडल के पटल पर रखा।' उन्होंने फडणवीस पर रिपोर्ट के सिलसिले में जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाया तथा उन्हें इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक करने की चुनौती दी। इस बीच भाजपा प्रवक्ता राम कुलकर्णी ने देशमुख के आरोपों को 'बचकाना' बताया और कहा कि सीबीआई के पास उनके 'कुकृत्यों'' के साक्ष्य हैं।

उन्होंने कहा, 'यह आरोप लगाना बचकाना है कि फडणवीस ने वाजे से यह बयान देने को कहा। देशमुख खुद अपने अधिकारियों से कथित रूप से 100 करोड़ रुपये एकत्र करने के लिए कहने के आरोप में जेल में थे।' कुलकर्णी ने कहा, 'सीबीआई के पास देशमुख के कुकृत्यों के सबूत हैं। उन्हें वापस जेल जाना होगा।'

न्यूज़ ब्रीफ

अजित पवार राज्य के सभी जिलों में निकालेंगे जनसम्मान यात्रा

मुंबई। राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं राकांपा (अजित) अध्यक्ष अजित पवार राज्य सरकार की योजनाओं और किए गए कार्यों को लेकर जन सम्मान यात्रा के तहत प्रदेश के सभी जिलों का दौरा करेंगे। अजित के इस दौरे के लिए पार्टी ने समन्वयकों की नियुक्ति कर दी है। यात्रा के तहत सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाने के लिए सात समन्वयक और आठ सह समन्वयकों की सूची जारी की गई है, जो यात्रा की देखरेख करेंगे। राकांपा (अजित) के महासचिव शिवाजीराव गर्जे ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले कुछ समय में मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना समेत कई अहम योजनाएं राज्य की जनता के लिए शुरू की हैं। अजित पवार जन सम्मान यात्रा के जरिए पूरे राज्य का भ्रमण करने वाले हैं। गर्जे ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों को जनता तक पहुंचाना बहुत जरूरी है। इस यात्रा के लिए नेताओं को समन्वयक की जिम्मेदारी दी गई है उनमें दिलीप वलसे पाटील, धनंजय मुंडे, धर्मरावबाबा आत्राम, आदिति तटकरे, संजय बनसोडे और अनिल पाटील शामिल हैं। इस यात्रा के संयोजक सुनील तटकरे होंगे। यह भी पढ़े -'छोटा शकील से संबंध रखने वाले' मुंबई के बिल्डरों पर केस दर्ज झारखंड सरकार ने लाड़ली बहन योजना की नकल की - अजित पवार महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने पिछले महीने 'मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना' की शुरुआत कर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इस योजना को राज्य की महिलाओं से भी काफी अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

सियासी रण में चाचा-भतीजे की जंग!

आदित्य के हराने के लिए राज ठाकरे ने बनाया खास प्लान

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने के अपने इरादे की घोषणा करने के बाद, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे अब वर्ली विधानसभा सीट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे अब वर्ली विधानसभा सीट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और मौजूदा विधायक और शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ पार्टी नेता संदीप देशपांडे को मैदान में उतारने की संभावना है। इससे पहले, राज ठाकरे ने महायुति सरकार को समर्थन दिया था, जिसमें शिवसेना (शिंदे गुट), भाजपा और एनसीपी (अजित पवार गुट) शामिल थे, हालांकि हाल ही में उन्होंने अकेले चुनाव लड़ने और विधानसभा चुनाव में 250 से अधिक उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की घोषणा की थी। इस बीच, यह ध्यान रखना उचित है कि मनसे नेता संदीप

देशपांडे, जो वर्ली निवासियों के साथ उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं, ने बताया कि कैसे मौजूदा विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्र की चिंताओं को दूर करने में विफल रहते हैं।

देशपांडे ने कहा कि अपने पिता उद्धव ठाकरे के बाद शिवसेना (यूबीटी) में दूसरे नंबर के नेता आदित्य ठाकरे आम लोगों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। देशपांडे ने कहा, 'सवाल पहुंच का है। लोगों को ऐसे विधायक की जरूरत है जो पहुंच योग्य हो, जो मौजूदा विधायक के मामले में नहीं है।' उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी पार्टी के पास निर्वाचन क्षेत्र में समर्पित मतदाता आधार है। देशपांडे ने कहा, '2017 के नगर निगम चुनावों में, हमने (मनसे) वर्ली से लगभग 30,000 से 33,000 वोट हासिल किए। इस निर्वाचन क्षेत्र में हमारे पास समर्पित मतदाता हैं।'इसके अलावा, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि वर्तमान घटनाक्रम तब आया है जब हाल के लोकसभा चुनावों के दौरान वर्ली में शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार की बढ़त 7,000 से कम हो जाने के बाद मनसे को देशपांडे को विधानसभा के लिए अपने उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का अवसर दिख रहा है। शिवसेना (यूबीटी) की जीत के बावजूद, वर्ली विधानसभा क्षेत्र में 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान बढ़त में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई, पार्टी के उम्मीदवार अरविंद सावंत सिर्फ 6,715 वोटों से आगे रहे, जो मुंबई दक्षिण के अंतर्गत छह विधानसभा क्षेत्रों में से चार में सबसे कम है। वह अपने प्रतिद्वंद्वी शिव सेना पर हावी रहे।

अनिल देशमुख के आरोप कपोल कल्पितः देवेंद्र फडणवीस

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख की ओर से उन पर लगाए गए आरोप कपोल कल्पित और निराधार हैं। फडणवीस ने कहा कि अनिल देशमुख पर मामला दर्ज किए जाने और उन पर वसूली का आरोप लगाने में उनका दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है।

अनिल देशमुख रविवार को पत्रकारों से कहा था कि देवेंद्र फडणवीस के कहने पर ही पूर्व मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह और निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाझे ने वसूली का आरोप लगाया था। इस मामले की छानबीन चांदीवाल आयोग ने की थी, आयोग ने उन्हें क्लीन चिट दिया था। इस तरह खबरें मीडिया में प्रकाशित की गई थीं, लेकिन देवेंद्र फडणवीस ने चांदीवाल की 1400 पन्नों की रिपोर्ट दबाकर रखा है।

फडणवीस ने कहा कि अनिल देशमुख की जांच का आदेश हाई कोर्ट ने सीबीआई को दिया था। उसी आधार पर जांच की गई थी। परमबीर सिंह को महाविकास आघाड़ी सरकार ने मुंबई पुलिस आयुक्त पद पर नियुक्त किया था और सचिन वाझे को भी उसी कार्यकाल के दौरान वापस नौकरी पर लिया गया था। परमबीर सिंह के ही शिकायत पर उनकी जांच की गई थी। अनिल देशमुख को जमानत किस आधार पर दी गई है, उसे देखा जाना चाहिए। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाविकास आघाड़ी ने ही अनिल देशमुख पर लगे आरोपों की जांच के लिए चांदीवाल आयोग नियुक्त किया था। इस आयोग की रिपोर्ट भी महाविकास आघाड़ी के कार्यकाल के दौरान सौप दी गई थी। फिर महाविकास आघाड़ी ने उस रिपोर्ट पर कार्रवाई क्योंनहीं की, इसका जवाब तत्कालीन महाविकास आघाड़ी से ही पूछा जाना चाहिए।

पुलिस के शिकंजे में दस शातिर चोर

मुंबई। नायगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा की टीम ने रिक्शा चोरी और सेंधमारी के मामले में 10 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर,8 अपराधों की गुत्थी सुलझाने में सफलता पाई है। गिरफ्तार 4 आरोपियों पर गंभीर अपराध दर्ज है। यह कार्रवाई डीसीपी (परिमंडल 2) पौर्णिमा चौगुले श्रींगी व अतिरिक्त कार्यभार संभाले डीसीपी सुहास बावचे व एसीपी नवनाथ घोगरे के मार्गदर्शन में नायगाव थाने के सीनियर पुलिस निरीक्षक रमेश भामे व पुलिस निरीक्षक (अपराध) सागर टिलकर के नेतृत्व में अपराध जांच शाखा की टीम ने की है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि,नायगांव पुलिस स्टेशन में दो चोरी की घटना का केस दर्ज किया गया था।जिसमे एक कंपनी का लॉकर तोड़कर,अज्ञात चोर ने कंपनी से नकदी व अन्य सामग्री सहित कुल मिलाकर,90,000 रुपये की चोरी हुई

थी।इसी क्रम में वाकीपाडा,बापाणे क्षेत्र में एक घर का ताला तोड़कर चोर,घर से नकदी व अन्य सामग्री चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।दोनो घटनाएं नायगांव थाने में दर्ज किया गया था।पुलिस अधिकारी ने बताया कि,तकनीकी विश्लेषण के आधार पर उपरोक्त अपराध एवं नायगांव थाना क्षेत्र में घर में चोरी,वाहन एम चोरी के अन्य पंजीकृत मामलों में चल रहे समानांतर अपराध की जांच के परिणामस्वरूप प्राप्त सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर अपराधों की जांच करके (1).आर्यन ऊर्फे रामनयन राणाप्रताप निषाद,(2). महेन्द्रकुमार धनाराम मेघवाल,(3). राहुल सुबमण्यम शेट्टी,(4).कमलेश ऊर्फ मुन्ना हरीलाल यादव,(5). मोहम्मद सुफियान फिरोज अहमद,(6). गणेश मोरख माकोने,(7).उध्दव संतोष भोकनल को गिरफ्तार कर लिया। इनसे जप्त किए गए सामान की कुल कीमत 1,85,000 रूपये है। पुलिस ने कहा कि, पड़ताल करने पर पता चला कि,आरोपी महेंद्रकुमार धनाराम मेघवाल 5 गंभीर अपराध (डोंगरी,वापी,दहिसर,बोरीवली व एम.एच.बी पुलिस स्टेशन) दर्ज है,आरोपी राहुल सुवमण्यम शेट्टी के ऊपर 2 (दहिसर पुलिस स्टेशन) अपराध दर्ज है और आरोपी आर्यन ऊर्फे रामनयन राणाप्रताप निषाद के ऊपर एक अपराध (नायगांव थाना) में दर्ज है।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत जिले में 6 लाख के भी पार हुए आवेदन

दोपहर संवाददाता । मुंबई/नागपुर

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का लाभ पाने के लिए जिले में अभी तक 6 लाख से ज्यादा महिलाओं ने आवेदन किए हैं। एक महिला को एक ही आवेदन करना है, लेकिन शहर भर में लग रहे कैंपों में जा-जाकर महिलाएं एक से ज्यादा बार आवेदन कर रही हैं। एक से ज्यादा बार हो रहे आवेदनों से सरकार का काम भी बढ़ गया है। सरकार ने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत पात्र महिला को हर महीने 1500 रु. देने की घोषणा की है। जिले में अभी तक छह लाख से ज्यादा महिलाओं ने इसके लिए आवेदन किए हैं। मनपा व जिला प्रशासन ने आवेदनों की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। विभाग (नागपुर समेत छह जिले) की बात करें तो 16 लाख 50 हजार से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए हैं। वार्ड व तहसील स्तरीय समिति ने आवेदनों

की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। नारी शक्ति एप पर जाकर आवेदन करना है। महिलाएं आपले सरकार सेवा केंद्र में जाकर रजिस्ट्रेशन कर रहा रही है। इसके अलावा शहर भर में छुटभैया नेताओं ने जो आवेदन किए है, वहां भी दस्तावेज देकर आवेदन कर रही है। इससे भी मन नहीं भरा तो एरिया-एरिया में जो कैंप लग रहे है, वहां जाकर भी आवेदन जमा करा रही है। एक महिला के एक से ज्यादा आवेदन पहुंचने से आवेदनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह भी पढ़े -कैंसर रोगियों को अब नहीं खरीदने पड़ रहे हैं महंगे इंजेक्शन, योजना अंतर्गत मिल रहा लाभ राजनेता कूदने से बढ़ रही संख्या आवेदनों की संख्या अपेक्षा से ज्यादा बढ़ने की मुख्य वजह राजनेता है। राजनेता इस योजना के माध्यम से अपनी राजनीतिक किस्मत चमकाना चाहते है। इसीलिए जगह-जगह कैंप लगाए जा रहे है। कैंप में महिलाओं को बुलाकर दस्तावेज लिए जा रहे है। महिलाएं यह सोचकर बार-बार आवेदन करती है, कि किसी एक जगह से उसका नंबर लग जाएगा। 10 दिन बाद आता है मैसेज, इस कारण फैल रहा भ्रम एक से ज्यादा बार आवेदन करने के पीछे का एक कारण यह भी है कि आवेदन करते समय आवेदन सक्सेस हुआ या नहीं इसका मैसेज रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर 10 से 15 दिन बाद आता है। मैसेज जल्दी नहीं आने से महिलाओं में यह भ्रम फैल जाता है कि रजिस्ट्रेशन सक्सेस नहीं हुआ और एरिया में लगनेवाले कैंप में जाकर फिर एक बार आवेदन कर देती है। यह भी पढ़े -अवैध साहूकार सागर दोशी पर चौथा मामला दर्ज, 20 लाख की दुकान 4 लाख रुपए में गिरवी छुटभैया नेता बढ़ा रहे अपना पीआर विधान सभा चुनाव के बाद मनपा के चुनाव होने है। इसे देखते हुए छुटभैया नेता इस योजना के माध्यम से महिलाओं के बीच अपना जनसंपर्क (पीआर) बढ़ाने में लग गए हैं। घर जाकर योजना की जानकारी देना, दस्तावेज लेना और फिर आवेदन भराना इसके तहत जनसंपर्क तगड़ा कर रहे हैं, ताकि भविष्य में चुनाव के दौरान इसका लाभ मिल सके।

दो बजे दोपहर

संपादकीय

संसद से टपकता पानी

सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की उम्मीद करना भारतीयों ने अरसे से छोड़ दिया है। वे मानकर चलते हैं कि यदि किसी शासकीय स्कूल की इमारतें हों या फिर अस्पताल भवन, सड़कें हों या पुल-पुलिया- वे लम्बे समय तक नहीं चलेंगी। फिर वह निर्माण चाहे केन्द्र सरकार की देखरेख में बना हो या फिर राज्य सरकार द्वारा निर्मित हो। सरकारी भवनों को जर्जर होते देर नहीं लगती। कभी स्कूल में पढ़ाई करते बच्चों पर छत का प्लास्टर गिर जाता है तो कभी शाला भवन की दीवार ही ढह जाती है, कभी किसी सरकारी कार्यालय की सीढ़ियां टूटने लगती हैं तो कभी उनकी दीवारों पर उद्घाटन के पहले ही दरारें पड़ने लगती हैं। पुल-पुलियों के खम्भे टूटने लगते हैं तो सड़कें अल्प समय के इस्तेमाल करते ही फटने लगती हैं। हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आये हैं। बिहार में पुलों ने गिरने का रिकॉर्ड बना दिया है। कुछ ही दिनों में दर्जन भर से अधिक पुल गिर गये। कई हाईवे पर तो उद्घाटन के केवल महीने-दो महीने में ही बड़ी दरारें पड़ गईं। सीवरेज अलग कहर ढाते हैं। जहां-जहां स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत कार्य चल रहे हैं उनमें और भी बुरा हाल है। बारिश ने इस महत्वाकांक्षी व बहुप्रचारित योजना की पोल खोल दी है। सड़कों से लेकर मैदानों पर पानी ऐसा भरता है कि वाहन उनमें गिरते हैं, लोग हाथ-पांव तुड़वा रहे हैं या अपने प्राण गंवा रहे हैं। नियोजन से लेकर क्रियान्वयन तक सारा कुछ ऐसा दोषपूर्ण होता है कि इन योजनाओं का फायदा कम नुकसान ही अधिक होता है। जान-माल की हानि तो होती ही है, जीवन ही अव्यवस्थित हो जाता है। तिस पर अगर थोड़ी सी भी बरसात हो जाये तो जीवन को नर्क बनने में देर नहीं लगती। अक्सर यह भी आरोप लगते हैं कि, जिसमें बड़े पैमाने पर सच्चाई भी है, भ्रष्टाचार का बड़ा योगदान गुणवत्ता को गिराने में होता है। यह किसी एक राज्य की बात नहीं है बल्कि यह सार्वभौमिक सत्य है कि शासकीय कार्य का अर्थ ही है अधिकारियों और राजनीतिज्ञों की जेबों का भरना। निर्माण कार्यों की लागत का आकलन तो वास्तविकता के आधार पर होता है, उसी कीमत पर कामों का आवंटन भी होता है परन्तु जब निर्माण शुरू होता है तो पता चलता है कि लाभ का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जायेगा। इससे ठेकेदार या निर्माण एजेंसियां गुणवत्ता में समझौते करती हैं। निर्माण हो जाता है व उसे विभाग को सौंप दिया जाता है, उद्घाटन हो जाते हैं लेकिन उन निर्माणों की गुणवत्ता जल्दी ही दीवारों, छतों, फर्शों और अन्य जगहों पर से झांकती दिखलाई पड़ती है। इसी कार्य पद्धति के तहत बने पुल लोगों पर गिरते हैं और मासूमों की मौतें होती हैं। देश में सैकड़ों हादसे ऐसे होते हैं जिनके लिये यही घटिया निर्माण जिम्मेदार होता है परन्तु उससे भी बुरी बात होती है इस पर होने वाली सियासत। यह नया भारत है जहां पहले यह देखा जाता है कि जो भी हादसा हुआ है या निर्माण की खामियां उजागर होती है, तो वह किस राज्य का मामला है और वहां किसकी सरकार है। पहले न कोई ऐसी वारदात का बचाव करता था और न ही भ्रष्टाचार की स्वीकार्यता थी। लेकिन अब एक ही तरह की अलग-अलग राज्यों में होने वाली घटनाएं तय करती हैं कि उनकी आलोचना की जाये या बचाव। भारतीय जनता पार्टी की यह देन कही जा सकती है जिसके पास ऐसा प्रचार तंत्र है जो यह याद दिलाता है कि यदि अभी पुल-पुलिया गिर रहे हैं, एयरपोर्ट में पानी भर रहा है, रेलवे स्टेशन की छतों से पानी चू रहा है तो कोई बात नहीं, क्योंकि ऐसा पहले भी हुआ था- कांग्रेस के समय। भाजपा की ट्रोल आर्मी को फर्क नहीं पड़ता कि जनता के पैसे से बने अयोध्या के राममंदिर की छत से चू रहे पानी से गर्भगृह लबालब हो रहा है या महाकालेश्वर में लगाई गयीं मूर्तियां गिर रही हैं। करोड़ों की लागत से बने एक्सप्रेस-वे टूट जायें या पुल ढह जायें- उनकी बला से। अपने प्रचार तंत्र और समर्थकों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार, खासकर नरेन्द्र मोदी को बहुत भरोसा है, फिर वे यह भी जानते हैं कि उन्हें इसे लेकर किसी को जवाब देना नहीं है। यही कारण है कि उनकी सीधी देखरेख में बने और उनका अपना ड्रीम प्रोजेक्ट कहे जाने वाले नये संसद भवन में पानी टपकने को लेकर सरकार का कोई बयान नहीं आया है। वैसे ही जिस प्रकार कुछ हवाई अड्डों में पानी भरने व एक्सप्रेस-वे टूटने पर कुछ नहीं कहा गया। इसके बावजूद देश के सबसे प्रतिष्ठित भवन की छत से अपने निर्माण के इतने कम समय में पानी टपकने की जिम्मेदारी से मोदी नहीं बच सकते। उन्होंने इसका निर्माण बहुत जल्दबाजी में कराया था। कोरोना काल में जब देश के लिये एक-एक रुपया महत्वपूर्ण था, इस पर करोड़ों रुपये लगाये गये (कितने, यह स्पष्ट नहीं)। मोदी इस काम का बार-बार निरीक्षण करते रहे। सेफ्टी हैलमेट लगाकर ड्राइंग फैलाये अन्य इंजीनियरों को जिस प्रकार से उंगली दिखाकर निर्देश देते हुए मोदी की तस्वीरें देश-दुनिया में प्रकाशित व प्रसारित हुई थीं, वैसी ही गुरुवार को सुबह से उस नीली बाल्टी की फोटुएं वायरल हो रही हैं जिसमें 'सेंट्रल विस्टा' कहे जाने वाले नवीन संसद भवन के भव्य गुंबद से टपकता पानी इकट्ठा हो रहा है। निर्माण में स्पेस टेक्नालॉजी का इस्तेमाल का दावा करने वाले मोदी को इस पर कुछ कहना चाहिये क्योंकि पुराने संसद भवन के बरक्स उन्होंने इसे अधिक गौरवशाली माना है।

नवनिर्माण का जरिया बने सामाजिक न्याय

उमेश चतुर्वेदी

भारतीय समाज और राजनीति के लिए जाति एक ऐसा तत्व है, जिस पर सबसे ज्यादा विमर्श और वितंडा- दोनों होते रहे हैं। जाति को लेकर इन दिनों राजनीतिक परिधि में जो कुछ भी हो रहा है, उसे विमर्श तो कतई नहीं कहा जा सकता, बल्कि वह वितंडा है। मोदी की अगुआई वाले एनडीए को हर मुमकिन मोर्चे पर चुनौती देने की कोशिश में जुटा विपक्षी खेमा जहां जाति जनगणना की रट पर लगातार कायम है, वहीं केंद्र सरकार लगातार इसे सामाजिक स्वास्थ्य के लिए आसन्न खतरा मानते हुए इसे टालती रही है। इसी बीच संसद में भाजपा के नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति पूछ ली। इसके बाद न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि अखिलेश यादव का पूरा सियासी कुनबा इस सवाल पर क्षुब्ध है।

जाति व्यवस्था को सामाजिक कोढ़ बताने वालों का मानना था कि अगर विकास और आधुनिकता आएगी तो जाति व्यवस्था अपने आप टूट जाएगी। गांधी मानते थे कि अछूतोद्धार के जरिए समाज में बराबरी का संदेश जाएगा। जबकि अंबेडकर मानते थे कि सामाजिक विकास यात्रा में पीछे छूट गए लोगों को आरक्षण देकर पहले सबल बनाया जाना चाहिए। वह तबका सबल होगा तो जाति व्यवस्था में बराबरी का भाव आएगा। जबकि लोहिया सोचते थे कि पिछड़ों को आर्थिक रूप से ताकतवर बनाकर आगे लाया जाए तो सामाजिक समानता का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कुछ ऐसी ही सोच दीनदयाल उपाध्याय की भी रही। लेकिन बहुजन आंदोलन के अगुआ कांशीराम इससे आगे निकल गए। उनकी मान्यता रही कि पिछड़े और दलितों को सत्ता मिल जाए तो जाति टूट जाएगी।

मोटे तौर पर चारों वैचारिकी के आधार पर देखें तो जाति सामाजिक रूप से टूटती तो नजर आ रही है, लेकिन जैसे-जैसे आरक्षण की राजनीति अंबेडकर की बुनियादी सोच से आगे बढ़ने लगी, राजनीतिक रूप से जातियां अपने-अपने दायरे में और मजबूत होती गईं। जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी की सोच बढ़ने लगी। वोट बैंक की राजनीति ने इस प्रक्रिया को और बढ़ावा दिया। सत्ता के लिए बहुमत हासिल करने के लक्ष्य को लेकर लगातार सक्रिय राजनीति ने जातीय समूहों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश में उनकी मांगों को उछालना शुरू किया। हर राजनीतिक समूह अपने हिसाब से अपनी समर्थक जातियों की राजनीतिक मांगों को जायज ठहराने लगा। इस पूरी प्रक्रिया में सामाजिक रूप से जाति को तोड़ने की सोच पीछे छूटती चली गई। दिलचस्प यह है कि जब कोई जातीय समूह किसी खास राजनीतिक ताकत का साथ छोड़ने लगा तो उसके हक और अधिकारों की मांग उस राजनीतिक ताकत के लिए गौण होने लगी। भारतीय संविधान में दलितों और आदिवासी समूहों के लिए आरक्षण की व्यवस्था करते वक्त डॉ. अंबेडकर ने इसे अनंतकाल तक चलाने से चेताया था। संविधान में शुरुआती दस साल के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था रखी गई थी। आरक्षण का लक्ष्य अब हर जातीय समूह का जीवन-मरण का उद्देश्य बन गया है। जाति जनगणना की मांग जातीय समूहों को राजनीतिक समूहों द्वारा संतुष्ट करने की कोशिश है कि वह उसके इस जीवन-मरण के लक्ष्य के साथ खड़े हैं।

अब चाहे गांधी रहे हों या अंबेडकर या फिर लोहिया या दीनदयाल, उनके विमर्श की गहराई से पड़ताल करेंगे तो उनके विचारों और सिद्धांतों का बुनियादी मकसद सत्ता की राजनीति नहीं, सामाजिक समानता के जरिए भारतीय समाज का निर्माण लगता है। लेकिन उनके नाम पर राजनीति करने वाले आधुनिक समूहों को देखिए तो समाजवादी धारा की मौजूदा राजनीति की प्रभावी ताकतों के पास भारतीय समाज बनाने का कोई ठोस सामाजिक कार्यक्रम नहीं दिखता। उनकी राजनीति की गहराई से पड़ताल करें तो उनमें जातीय उन्माद बढ़ाने और फैलाने का भाव ज्यादा नजर आता है। कांग्रेस की राजनीति अतीत में ऐसी अतिवादी नहीं रही है, लेकिन अब उसकी भी राजनीति उसी राह पर चल रही है। साफ लगता है कि जाति की राजनीति और जातियों को उनके दायरे में और बुलंद बनाने की प्रक्रिया को राजनीतिक सहयोग देने वाले राजनीतिक समूहों का एकमात्र मकसद सामाजिक बराबरी लाना नहीं है, बल्कि इन जातीय समूहों को आधार बनाकर खुद सत्ता हासिल करना है।

खुलेआम जातीय राजनीति करने वालों को शायद यह पता नहीं है कि जिन सवर्ण जातियों के खिलाफ बाकी जातियों को गुस्से से भरने में वे मशगूल हैं, उन्हीं जातीय समूहों में कुछ ऐसी जातियां भी हैं, जिन्हें सवर्ण जातियों के बीच दोयम हैसियत रही है। ये मौजूदा जातीय विमर्श में पिछड़े नजर आते हैं। लेकिन सत्ता की राजनीति में मशगूल राजनीति को इस ओर ध्यान देने के लिए फुर्सत नहीं है। बेहतर होता कि इस नजरिए से भी राजनीति सोचती। सच तो यह है कि सामाजिक रूप से जब भी जाति व्यवस्था टूटने की ओर बढ़ने लगती है, राजनीति उसकी दरार को और बढ़ाने के लिए आगे आ जाती है।

जाति पूछने को लेकर उठे राजनीतिक बवाल के बीच कुछ सवाल भी बनते हैं। राजनीति से उम्मीद की जाती है कि वह कम से कम जिस तरह वह खुद का व्यवहार करती रही है, वैसा व्यवहार वह दूसरों से भी करती है। उसके पास कोई विशेषाधिकार नहीं है कि वह सामने वाले को जाति के नाम पर जलील करे और अपनी जाति पर आ जाए तो चिढ़ जाए।

सहज योग

सहज योग में सुबह का ध्यान

विचारों को शांत करने के लिए 'यीशु प्रार्थना' बहुत सहज चीज़ हैं। क्योंकि विचारों की स्थिति आज्ञा स्थिति होती हैं। अतः प्रातः काल यीशु-प्रार्थना या श्री गणेशजी का मंत्र लेना याद रखें। दोनों एक ही बात है।

प्रातः काल उठें स्नान करके बैठ जाएं। चाय यदि लेना चाहें तो ले लें, बातें न करें। प्रातः काल बिल्कुल बातें न करें, बैठ जाएं और ध्यान करें। इस समय दैवी किरणें आती हैं और उसके पश्चात सूर्योदय होता है। पक्षी भी इसी प्रकार जागते हैं और पुष्प भी। सभी इन दिव्य किरणें से जागते हैं। आप भी यदि संवेदनशील हैं, तो आप महसूस करेंगे की सुबह उठने से आप अपनी आयु से दस वर्ष छोटे लगेंगे। प्रातः काल जागना इतनी अच्छी चीज़ हैं और फिर स्वतः ही आप रात को जल्दी सो जाएंगे। यह जागने के विषय में है, सोने के विषय में मुझे बताने की कोई आवश्यकता नहीं क्योंकि सो तो आप जाएंगे ही। प्रातः काल आप केवल ध्यान करें। ध्यान मैं अपने को शांत करने का प्रयत्न करें। आंखे खोलकर मेरी (श्री माताजी) फोटो को देखें और निश्चित रूप से अपने विचारों को शांत कर लें। विचारों को शांत करने के पश्चात ध्यान में जाएं। विचारों को शांत करने के लिए 'यीशु प्रार्थना' बहुत सहज चीज़ हैं। क्योंकि विचारों की स्थिति आज्ञा स्थिति होती हैं। अतः प्रातः काल यीशु-प्रार्थना या श्री गणेशजी का मंत्र लेना याद रखें। दोनों एक ही बात है। आप ये भी कह सकते हैं, "कि मैंने क्षमा किया।" यह कार्य करता है और आप निर्विचार समाधि में चले जाते हैं। अब आप ध्यान करें। इस अवस्था से पहले ध्यान नहीं होता। अतः सर्वप्रथम आप निर्विचार चेतना में चले जाएं , तभी अध्यात्मिक उत्थान आरम्भ होता है। निर्विचारिता की अवस्था प्राप्त करने के पश्चात, इससे पहले नहीं। आपको यह जान लेना चाहिए, तार्किकता के स्तर पर आप सहजयोग में उन्नत नहीं हो सकते। अतः निर्विचार अवस्था में स्थापित होना पहली आवश्यकता है। अभी आपको महसूस होगा की किसी विशेष चक्र में रूकावट बनी हुई है, इसे भूल जाएं, भुला दीजिए इसे। अब आप समर्पण आरम्भ करें। कोई चक्र पकड़ रहा है तो आपको कहना चाहिए - श्री माताजी मैं आपके प्रति समर्पित हूं। अन्य विधियां अपनाने के स्थान पर आप केवल इतना कह दीजिए। यह समर्पण तर्कयुक्त नहीं होना चाहिए। तर्क युक्ति से अब भी यदि आप ये सोचते हैं कि रमुझे ऐसा क्यों कहना चाहिए तो कहने का कोई लाभ न होगा। आपके हृदय मैं यदि पवित्रता औए प्रेम है तो यही सर्वोतम है। पावन प्रेम ही समर्पण है, अपनी सभी चिंताएं अपनी मां पर छोड़ दीजिए।फिर भी यदि कोई विचार आ रहे हैं या आपका कोई चक्र पकड़ रहा है।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

जीवन ऊर्जा

नील आर्मस्ट्रांगः जन्म- 5 अगस्त 1930 जन्म

अनुसंधान नया ज्ञान पैदा करता है

नील आर्मस्ट्रांग का जन्म 5 अगस्त, 1930 को वेपकॉनेटा, ओहायो में हुआ था। नील एल्डन आर्मस्ट्रांग एक अमेरिकी खगोलयात्री और चंद्रमा पर कदम रखने वाले पहले व्यक्ति थे। इसके अलावा वह एक एयरोस्पेस इंजीनियर, नौसेना अधिकारी, परीक्षण पायलट और प्रोफेसर भी थे। आर्मस्ट्रांग की मृत्यु सिनसिनाती ओहायो में 25 अगस्त 2012 को 82 वर्ष की उम्र में बाईपास सर्जरी के दौरान हुई।

रहस्य आश्चर्य पैदा करता है और आश्चर्य मनुष्य की समझने की इच्छा का आधार है। कुछ चीजें आपके नियंत्रण से बाहर होती हैं। आपके सहयोग के बिना जो चीजें आपसे आसानी से चोरी नहीं होती हैं, वे आपके सिद्धांत और आपके मूल्य हैं। आपके सिद्धांत और आपके मूल्य आपकी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति हैं और अगर सावधानी से चुने और पोषित किए जाएं, तो यह आपकी और आपके साथी की अच्छी सेवा करेंगे। ज्ञान सभी मानवीय उपलब्धियों और प्रगति के लिए मौलिक है। ज्ञान ही कुंजी और खोज दोनों है जो मानव जाति को आगे बढ़ाती है। ज्ञान की खोज वह है जो मनुष्य को चंद्रमा पर ले आई, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए पहले से अर्जित ज्ञान की आवश्यकता थी। हम जो ज्ञान प्राप्त करते हैं उसका उपयोग कैसे करते हैं यह पृथ्वी पर, अंतरिक्ष में या चंद्रमा पर हमारी प्रगति को निर्धारित करता है। अनुसंधान नया ज्ञान पैदा करता है। आपका पुस्तकालय मन और आत्मा का भंडार है। इसे भी इस्तेमाल करें। मेरा मानना है कि हर इंसान के दिल की धड़कनों की एक सीमित संख्या होती है। यह मनुष्य के लिए एक छोटा कदम है, मानव जाति के लिए एक बड़ी छलांग है। उड़ान में, जीवित रहने की संभावना आगमन के कोण के व्युत्क्रमानुपाती होती है। हम सभी आतिशबाजी के एक टुकड़े के लिए नहीं, बल्कि अपने दैनिक कार्य के बही-खाते के लिए पहचाने जाना पसंद करते हैं। एक बात का मुझे अफसोस है कि मेरे काम के लिए बहुत अधिक समय और बहुत अधिक यात्रा की आवश्यकता थी। लोगों को षड्यंत्र के सिद्धांत पसंद हैं। विश्वास से परे जाने के लिए जगहें हैं। रहस्य आश्चर्य पैदा करता है और आश्चर्य मनुष्य की समझने की इच्छा का आधार है। हम सभी आतिशबाजी के एक टुकड़े के लिए नहीं, बल्कि अपने दैनिक कार्य के बही-खाते के लिए पहचाने जाना पसंद करते हैं।

प्रेरक प्रसंग

क्षमा महान गुण है

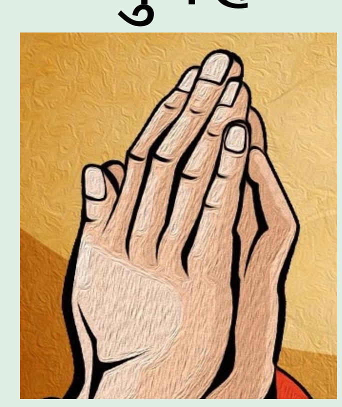

भौतिक विज्ञान के विकास में जिन वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान है उसमें आइजक न्यूटन का अप्रितम योगदान है। वे कहा करते - 'कठिनाइयों से गुजरे बिना कोई अपने लक्ष्य को नहीं पा सकता। जिस उद्देश्य का मार्ग कठिनाइयों के बीच नहीं जाता, उसकी उच्चता में सन्देह करना चाहिए।'

वे प्रकाश के सिद्धांतों की खोज में बीस वर्षों से लगे थे। अनेक शोधपत्र तैयार किए गए थे। वे मेज पर पड़े थे, वहीं लैम्प जल रहा था, उनका कुत्ता डायमड उछला और मेज पर चढ़ गया। लैम्प पलट गया। मेज पर आग लग गई। देखते-देखते बीस वर्षों की कठिन तपस्या से तैयार शोधपत्र जलकर खाक हो गए। न्यूटन जब टहलकर आए, तो इस दृश्य को देखकर उन्हें अपार कष्ट हुआ। एक क्षण तो इतने उद्विग्न हुए कि डायमंड को मार कर खत्म करने की बात भी सोचने लगे, लेकिन न्यूटन ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने डायमंड को पास बुलाया, उसकी पीठ पर हाथ रखा, सिर थपथपाते हुए कहा, 'ओ डायमंड! डायमंड! जो नुकसान तूने पहुँचाया है, तू नहीं जानता।'

उन्होंने धैयपूर्वक सारे शोधपत्र की सामग्री को अपनी स्मृति में खोजा और फिर उसी उत्साह से नया शोधपत्र तैयार करने में जुट गए।

शख्सियत द्वारका प्रसाद मिश्रा

लोकप्रिय कवि, पत्रकार और मुख्यमंत्री

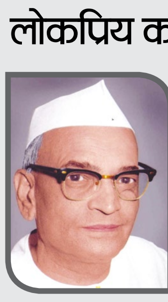

द्वारका प्रसाद मिश्रा एक लोकप्रिय कवि, पत्रकार, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। एक कवि के रूप में उन्होंने महाकाव्य- 'कृष्णैर' की रचना की। वह एक स्वतंत्रता सेनानी थे और एक राजनयिक के रूप में भी जाने जाते थे। द्वारका प्रसाद मिश्रा महात्मा गांधी के 'असहयोग आंदोलन' से जुड़े थे। उन्होंने राष्ट्रवादी आंदोलनों में सक्रिय योगदान दिया।

द्वारका प्रसाद मिश्रा का जन्म 5 अगस्त वर्ष 1901 में हुआ था। उन्होंने तीन प्रमुख हिंदी पत्रिकाओं - लोकमत, शारदा और सारथी के संपादक के रूप में काम किया है। मिश्रा द्वारा लिखी गई कुछ पुस्तकों में शामिल हैं- मानस के राम और सीता, मेरे जिया हुआ युग और महाकाव्य कृष्णायन। उनकी राजनीतिक पुस्तकें भी प्रसिद्ध हैं, जिनमें से कुछ नेहरू की मृत्यु के बाद लिखी गई हैं।

उनके संस्मरण विवादास्पद हो गए, क्योंकि उनमें जुलाई 1946 को पटेल द्वारा मिश्रा को लिखा गया एक पत्र शामिल था, जिसमें 'किशोर गलतियों' के लिए नेहरू की आलोचना की गई थी। उनके स्मारकों में शामिल हैं-लिविंग एन एराः इंडियाज मार्च टू फ्रीडम (1947 तक), द नेहरू एपोचः फ्रॉमडेमोक्रेसी टू मोनोक्रेसी (1947 - 1964), द पोस्ट नेहरू एराः पॉलिटिकल मेमॉयर्स (नेहरू युग के बाद 1980 के दशक तक)। 'लंका की खोज' एक और प्रसिद्ध कार्य है जो इस सिद्धांत का प्रस्ताव करता है कि रामायण की लंका श्रीलंका के बजाय मध्य प्रदेश में थी। द्वारका प्रसाद मिश्रा एक साधारण व्यक्ति थे और श्री नोरोन्हा ने अपने संस्मरण 'ए टेल टोल्ड बाय एन इडियट' (मैकबेथ की प्रसिद्ध पंक्तियों से प्रेरित शीर्षक) में लिखा है कि सीएम कार्यालय छोड़ने के बाद द्वारका प्रसाद ने राज्य की राजधानी की अपनी यात्राओं के दौरान ऑटो-रिक्शा का इस्तेमाल किया। द्वारका प्रसाद मिश्रा का 1988 में निधन हो गया। उनकी आखिरी बीमारी के दौरान राज्य सरकार द्वारा वहन किए गए खर्च के बारे में कुछ खबरें आई थीं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सुपर्णखा और शबरी में अंतर

(भाग 3)

जिस वन में रहकर भगवान राम आनंद की भूमि अयोध्या को भूल गये, उस चित्रकूट की महिमा का वर्णन भला मैं क्या कर सकता हूँ ? पर ऐसी दिव्य और आनंदमयी चित्रकूट भूमि का परित्याग कर भगवान् राम ने दण्डकारण्य में जाने का निर्णय क्यों किया ? इसका एकमात्र कारण यही है कि संसार में मनुष्य-जीवन से जुड़े जो विविध पक्ष हैं उन सबको भगवान् राम अपने लीला-चरित्र के द्वारा दिखलाना चाहते हैं। और इनसे जुड़ी हुई जो समस्याएँ हैं, उन सबका क्या समाधान होता है, इसे भी बताना चाहते हैं। भगवान राम लक्ष्मणजी को उपदेश देते हुए, जब माया की व्याख्या करते हैं तो यही कहते हैं कि

तेहि कर भेद सुनह तुम्ह सोऊ।
बिद्या अपर अबिद्या दोऊ।।

माया के दो रूप हैं - विद्या माया और अविद्या माया। फिर दोनों में क्या अन्तर है, यह बताते हुए प्रभु कहते हैं कि

एक दुष्ट अतिसय दुखरूपा।
जा बस जीव परा भवकूपा।।

अविद्या माया दुःख देने वाली है तथा इसी के कारण जीव इस संसार-कूप में पड़ा हुआ है।

इस संसार का परिचय समुद्र और नदी के रूप में भी दिया जाता है । पर गोस्वामीजी यहाँ इसे समुद्र या नदी न कहकर 'कूप' (कुँआ) कहते है । इसके पीछे भी एक सुंदर संकेत है । गोस्वामीजी मानो बताना चाहते हैं कि नदी और समुद्र के संदर्भ में व्यक्ति का पुरूषार्थ, भले ही एक सीमा तक ही हो, पर चल सकता है । वह अपने हाथ-पाँव चलाकर तैरने की चेष्टा कर सकता है, नाव की सहायता लेकर उसे खेकर पार जाने का यत्न कर सकता है - पर कुएँ में गिरे हुए व्यक्ति को कोई दूसरा निकालने वाला हो, तभी वह बच पायेगा। ठीक इसी प्रकार माया के कूप में पड़ा हुआ व्यक्ति एकमात्र भगवान् की कृपा से ही बाहर आ सकता है । इसका अर्थ यही है कि अविद्या माया अत्यन्त दुःखदाई है।

फिर प्रभु विद्या माया की व्याख्या करते हैं और बताते हैं कि

एक रचइ जग गुन बस जाकें।
प्रभु प्रेरित नहिं निज बल ताकें।।

विद्या माया संसार का निर्माण करती है, पर यह निर्माण कार्य वह अपने बल पर नहीं अपितु ईश्वर की प्रेरणा और शक्ति से करती है। 'मानस' में श्रीसीताजी के लिये भी 'माया' शब्द का प्रयोग किया गया है। मनु और शतरूपा की प्रार्थना पर जब भगवान श्रीसीताजी के साथ उनके सामने प्रकट होते हैं, उस समय वे उनसे श्रीसीताजी का परिचय देते हुए कहते हैं कि

आदिसक्ति जेहिं जग उपजाया।
सोउ अवतरिहि मोरि यह माया।।

यही वह आदिशक्ति माया हैं जो संसार का सृजन करती हैं। इसका अभिप्राय है कि जहाँ एक ओर माया के द्वारा संसार का निर्माण होता है वहीं दूसरी ओर व्यक्ति को दुःख भी माया के द्वारा ही प्राप्त होता है। पर दोनों में अंतर यही है कि एक यदि विद्या माया हैं तो दूसरी को अविद्या माया कहा गया है। श्रीसीताजी व लक्ष्मीजी विद्या माया हैं तथा शूर्पणखा अविद्या माया का रूप है।

(क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

देवघर में बाबा बैद्यनाथ से पहले मां काली की पूजा की है परंपरा, नाचते-झूमते बाबानगरी पहुंच रहे कांवरिये

बारह ज्योतिर्लिंगों में बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग की महत्ता अलग है। यहां पर बाबा माता सती के साथ विराजमान हैं। यहां बाबा से पहले शक्ति की पूजा की प्रधानता है। मान्यता है कि बाबा के साथ शक्ति की पूजा करने से यहां बाबा की कृपा और शक्ति से ऊर्जा दोनों की प्राप्ति होती है।

कोरोना काल के बाद पहली बार श्रावणी मेला परवान पर

कोरोना के बाद पहली बार श्रावणी मेला पूरी तरह से परवान पर है। इसलिए कांवरिया बाबा के अलावा मां पार्वती और काली के मंदिर में पूजा करना नहीं भूलते हैं। इसका जिक्र सुल्तानगंज में जल संकल्प के दौरान भी किया जाता है। जल संकल्प के दौरान बाबा बैद्यनाथ भैरव एवं काली का उच्चारण होता है।

बाबा पर जल चढ़ाने के बाद माता के मंदिर में जाते हैं कांवरिये

बाबा मंदिर में कांवरिये बाबा की पूजा-अर्चना करने के बाद माता के मंदिर में जलार्पण करने के लिए कतार में घंटों खड़े रहते हैं। इसका मुख्य कारण यही है। उसके बाद मां काली के मंदिर में भी कांवरियों की काफी भीड़ होती है। इसका उदाहरण बाबा मंदिर में हर दिन देखने को मिलता है।

बाबा मंदिर से पहले खुलता है मां काली का पट

चली आ रही परंपरा के अनुसार, बाबा मंदिर का पट खुलने के पूर्व शक्ति की मंदिर मां काली का पट खोला जाता है। सबसे पहले यहां पूजा होती है, तब बाबा का पट खोलकर पूजा करने की परंपरा का निर्वहन किया जाता है।

शिवलोक : प्रदर्शनी में भव्यता व भक्ति का संगम

देवघर जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में शिवलोक में प्रदर्शनी के माध्यम से भगवान शिव का इतिहास, शिव महिमा, कथाओं का वाचन व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि बाबा नगरी आने वाले श्रद्धालुओं/कांवरियों को शिव कथा, बाबा मंदिर का इतिहास, शिव तांडव, देवघर का इतिहास व अन्य विषयों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

त्रिलोक दर्शन आकर्षण का केंद्र

शिवलोक परिसर में पीआरडी ने त्रिलोक दर्शन की जीवंत प्रदर्शनी लगायी है। यहां बाबा मंदिर का दिव्य प्रारूप, झारखंड के सांस्कृतिक रंगरूप के अलावा त्रिलोक का दर्शन और आकाश, पाताल लोक के साथ-साथ पृथ्वी लोक को दर्शाया गया है। इसमें प्रकृति से प्रेम भाव को दर्शाते हुए झारखंड से प्रकृति पर्व की महत्ता को बताने का प्रयास किया है।

शिवलोक धाम में है बाबा बैद्यनाथ के मंदिर का भव्य प्रारूप

शिवलोक के मध्य में बैद्यनाथ मंदिर का दिव्य प्रारूप बनाया गया है। झारखंड में मनाये जाने वाले कर्मा, सरहुल, बंधना, बट सावित्री पूजा जैसे पर्व-त्योहार के स्टॉल लगाये गये हैं। इसके अलावा शिवलोक के मुख्य मंच के पीछे दीवार पर श्रद्धालुओं को समुद्र मंथन का दृश्य देखने को मिल रहा है। वहीं समुद्र में मंथन के पश्चात अपार द्रव्य, संपत्ति, देवी आदि भगवान नारायण ने देवराज इंद्र को खोया हुआ उनका एरावत हाथी, सप्त ऋषियों को अनुरोध कर उन्हें कामधेनु गाय आदि का प्रारूप बनाया गया है।

देवघर में गूंज रही कांवर में लगे घुंघरू और घंटी की झंकार

बारिश का आनंद लेते हुए कांवरिये नाचते-झूमते तेजी से बाबानगरी पहुंच रहे हैं। शिवगंगा से लेकर कांवरिया पथ तक कांवर में लगे घुंघरू एवं घंटी की झंकार गूंज रही है। हर दिन कांवरियों की भीड़ बढ़ती जा रही है। बाबा मंदिर का पट खुलने के पहले ही जलार्पण के लिए लगी कतार करीब चार-पांच किमी दूर बीएड कॉलेज तक पहुंच जाती है।

हर सोमवार को करें श्री शिवरामाष्टकस्तोत्र का पाठ

प्राप्त होगी महादेव की कृपा

भगवान शिव को जगत का संहारक माना जाता है। लेकिन भगवान शिव को भोलेनाथ भी कहा जाता है, क्योंकि इनकी पूजा में अधिक भक्तों को अधिक विधि-विधान की जरूरत नहीं होती है। भगवान शिव सिर्फ एक लोटा जल अर्पित करने से ही अपने भक्तों से प्रसन्न हो जाते हैं। सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है। भगवान शिव की कृपा पाने के लिए भक्त सोमवार के दिन विधि-विधान से महादेव की पूजा करते हैं।

बता दें कि भगवान शंकर के आराध्य जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु हैं। वहीं भगवान विष्णु के मानव अवतार श्रीराम हैं। इसलिए भगवान शिव को श्री शिवरामाष्टकस्तोत्रम् अति प्रिय हैं। मान्यता के अनुसार, जो भी जातक हर सोमवार को श्री शिवरामाष्टकस्तोत्रम् का पाठ करता है, उसको भगवान शिव की कृपा व आशीर्वाद प्राप्त होता है। श्री शिवरामाष्टकस्तोत्रम् के पाठ से व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो जाता है और उसे जीवन में सुख-शांति व समृद्धि मिलती है। ऐसा जातक हर दुख और संकट से मुक्ति पाता है। इसके साथ ही व्यक्ति को दैविक, भौतिक और दैहिक तापों से मुक्त हो जाता है।

श्री शिवरामाष्टक स्तोत्रम्

शिवहरे शिवराम सखे प्रभो, त्रिविधताप-निवारण हे विभो।
अज जनेश्वर यादव पाहि मां, शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥1॥
कमल लोचन राम दयानिधे, हर गुरो गजरक्षक गोपते।
शिवतनो भव शङ्कर पाहिमां, शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥2॥
स्वजनरञ्जन मङ्गलमन्दिर, भजति तं पुरुषं परं पदम्।
भवति तस्य सुखं परमाद्भुतं,शिवहरे विजयं कुरू मे वरम्॥3॥
जय युधिष्ठिर-वल्लभ भूपते,जय जयार्जित-पुण्यपयोनिधे।
जय कृपामय कृष्ण नमोऽस्तुते, शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥4॥
भवविमोचन माधव मापते, सुकवि-मानस हंस शिवारते।
जनक जारत माधव रक्षमां, शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥5॥
अवनि-मण्डल-मङ्गल मापते,जलद सुन्दर राम रमापते।
निगम-कीर्ति-गुणार्णव गोपते, शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥6॥
पतित-पावन-नाममयी लता, तव यशो विमलं परिगीयते।
तदपि माधव मां किमुपेक्षसे, शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥7॥
अमर तापर देव रमापते,विनयतस्तव नाम धनोपमम्।
मयि कथं करुणार्णव जायते, शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥8॥
हनुमतः प्रिय चाप कर प्रभो, सुरसरिद्-धृतशेखर हे गुरो।
मम विभो किमु विस्मरणं कृतं, शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥9॥
नर हरेति परम् जन सुन्दरं, पठति यः शिवरामकृतस्तवम्।
विशति राम-रमा चरणाम्बुजे, शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥10॥
प्रातरूथाय यो भक्त्या पठदेकाग्रमानसः।
विजयो जायते तस्य विष्णु सान्निध्यमाप्नुयात्॥11॥
॥ इति श्रीरामानन्दस्वामिना विरचितं श्रीशिवरामाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

सावन के तीसरे सोमवार का शुभ मुहूर्त

जानें पूजा-विधि, उपाय, मंत्र और शिवजी भोग कैसे लगाएं ?

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस माह को विशेष तौर पर पवित्र और शुभ माना जाता है। सावन सोमवार के दिन शिव का आराधना करने का विशेष महत्व होता है। 5 अगस्त 2024 यानी कल सावन के तीसरे सोमवार का व्रत रखा जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन सोमवार का व्रत रखने से जातको की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। इस साल सावन का महीना 19 अगस्त तक चलने वाला है। आइए जानते हैं सावन के तीसरे सोमवार का शुभ मुहूर्त और पूजा-विधि, उपाय, और रुद्राभिषेक विधि।

सावन सोमवार की पूजा विधि

- सबसे पहले सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। इसके बाद शिव परिवार समेत सभी देवी-देवताओं की पूजा करें।
- अगर व्रत रखना है तो हाथ में पवित्र जल, फूल और अक्षत लेकर व्रत का संकल्प जरुर लें।

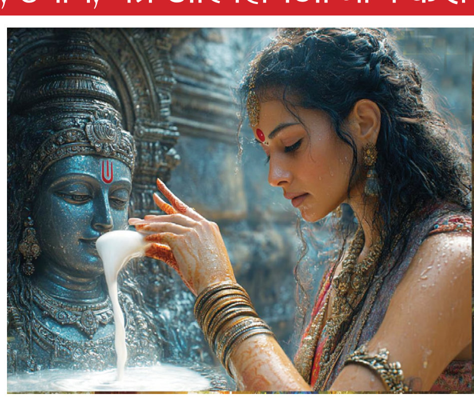

- इसके बाद घर के मंदिर में दीपक जलाएं। फिर शिव मंदिर या घर में भगवान शि्व का अभिषेक करें। इसके साथ ही शिव परिवार की विधिवत पूजा करें। फिर आप शिव चालीसा को जरुर पढ़ें।
- घी का दीपक से पूरी श्रद्धा के साथ भगवान शिव जी की आरती करें।
- भोग लगाए और ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। आखिरी में क्षमा प्रार्थना भी करें।

इन मंत्रों का जाप करें

ॐ नमः शिवाय, श्री शिवाय नमस्तुभ्यं, ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ।।

भोग लगाएं

मखाना, दूध की बर्फी, बेर का फल, मिश्री, सफेद मिठाई, बादाम या मखाने की खीर, पंचामृत।

तीसरे सोमवार का उपाय

सावन के तीसरे सोमवार के दिन किसी गरीब या जरुरतमंद व्यक्ति को दूध, दही, चावल, चीनी व दक्षिणा दान करने से धन की प्राप्ति सुख शांति के साथ भगवान भोलेनाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है। आप ब्राह्मणों और गरीब को भोजन करा सकते हैं।

अमीर बनने के लिए घर में लगा लें ये पौधे, हो जाओगे मालामाल

साघर में पेड़-पौधे लगने रहने से काफी सुख-शांति रहती है। पेड़-पौधे हरियाली आज के समय में सभी को पसंद हैं। घर के आंगन में पेड़-पौधे लगाना भी वास्तु शास्त्र में बेहद शुभ माना गया है। वैसे वास्तु शास्त्र में कई शुभ और अशुभ पेड़-पौधों का वर्णन किया गया है। वास्तु के अनुसार घर में कुछ खास तरह के पौधे लगाने से वातावरण तो अच्छा रहता ही है, इसके साथ ही मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। आइए जानते हैं कौन से पौधे घर में लगाने से देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती है।

स्नेक प्लांट

घर में स्नेक प्लांट लगाने से सुख-समृद्धि आती है। इस पौधे को बहुत शुभ माना जाता है। इसे अपने घर के स्टडी टेबल या स्टडी रुम में रखेंगे तो यह आपकी तरक्की के रास्ते खोलेगा। आप इस पौधे को लिविंग रूम और बेडरूम में भी रख सकते हैं।

अरबी का पौधा

अगर आप घर में अरबी का पौधा लगाते हैं तो आपको संतान की प्राप्ति होगी। अगर आपको लंबे समय से माता-पिता बनने का सुख नहीं मिल रहा है तो आप घर में यह पौधा लगा सकते हैं। इसमें आप रोजाना जल चढ़ाएं और कढ़ाही तोड़कर भगवान गणेश को अर्पित करें। इससे आपकी सभी मनोकामनाएं सिद्द होगी।

नारियल का पेड़

वास्तु के अनुसार, नारियल का पेड़ लगाने से काफी लाभ मिलता है। घर में एक बार नारियल का पेड़ लगा लिया तो खूब तरक्की होगी।

लाजवंती

अगर आप घर में लाजवंती का पौधा लगाएंगे तो यह बहुत ही बढ़िया होगा। इस पौधे को बेहद शुभ माना जाता है। इसके साथ ही रोजाना जल भी दें। ऐसा करने से आपकी कुंडली में राहु का दोष दूर होगा।

लक्ष्मण का पौधा

घर में लक्ष्मण का पौधा लगाने से खूब तरक्की होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पौधे से देवी लक्ष्मी का संबंध है। इसलिए इसे घर में लगाने से धन की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही देवी मां लक्ष्मी का वास होता है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष: नए कार्य में लाभ मिलेगा। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे।

वृष: चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें।

मिथुन: विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी।

कर्क: डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है।

सिंह: योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी।

कन्या: कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है।

तुला: बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

वृश्चिक: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है।

धनु: स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

मकर: रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कुंभ: विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। नए कार्य में बनेंगे। दौड़धूप अधिक होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी।

मीन: मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। भाग्य अनुकूल रहेगा।

मनोकामनाएं पूरे करने के सटीक उपाय

हर मनुष्य की कुछ मनोकामनाएं होती है। कुछ लोग इन मनोकामनाओं को बता देते हैं तो कुछ नहीं बताते। चाहते सभी हैं कि किसी भी तरह उनकी मनोकामना पूरी हो जाए। लेकिन ऐसा हो नहीं पाता। यदि आप चाहते हैं कि आपकी सोची हर मुराद पूरी हो जाए तो नीचे लिखे प्रयोग करें। इन टोटकों को करने से आपकी हर मनोकामना पूरी हो जाएगी।

उपाय

तुलसी के पौधे को प्रतिदिन जल चढ़ाएं तथा गाय के घी का दीपक लगाएं।

रविवार को पुष्य नक्षत्र में श्वेत आक की जड़ लाकर उससे श्रीगणेश की प्रतिमा बनाएं फिर उन्हें खीर का भोग लगाएं। लाल कनेर के फूल तथा चंदन आदि के उनकी पूजा करें। तत्पश्चात गणेशजी के बीज मंत्र (ऊँ गं) के अंत में नमः शब्द जोड़कर 108 बार जप करें। सुबह गौरी-शंकर रुद्राक्ष शिवजी के मंदिर में चढ़ाएं। सुबह बेल पत्र (बिल्व) पर सफेद चंदन की बिंदी लगाकर मनोरथ बोलकर शिवलिंग पर अर्पित करें।

बड़ के पत्ते पर मनोकामना लिखकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोरथ पूर्ति होती है। मनोकामना किसी भी भाषा में लिख सकते हैं।नए सूती लाल कपड़े में जटावाला नारियल बांधकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इन प्रयोगों को करने से आपकी सभी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूरी हो जाएंगी। इन उपायों से आएगी जीवन में खुशहाली

सभी चाहते हैं कि उसके जीवन में खुशहाली रहे और सुख-शांति बनी रहे पर हर व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होता। जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। ऐसे समय में उसे अपना जीवन नरक लगने लगता है। यदि आपके साथ भी यही समस्या है तो आप नीचे लिखे साधारण उपायों को अपनाकर अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं।

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

दो बच्चों की पत्थर की खान में डूबने से मौत

जयपुर। नहाने के लिए पहाड़ में बने खदान में गए दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई। हादसे की सूचना पर हरमाड़ा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर एसडीआरएफ की मदद से शवों को बाहर निकाला। शवों को कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद बच्चों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। पुलिस के अनुसार अनोखा गांव माचड़ा निवासी 11 वर्षीय अंशदीप उर्फ जीनू पुत्र दिलीप सिंह और 9 वर्षीय विद्या रविवार सुबह करीब 10 बजे घर से नहाने जाने की बात कहकर निकले थे। जब दोनों कई घंटों तक वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी खोज शुरू की। आस-पास के बच्चों से पूछने पर परिजनों को पता चला कि वे नींदड़ की पहाड़ी में नहाने गए है।

सागर हादसे में पीएम मोदी ने जताया दुख

सागर। मध्यप्रदेश के सागर जिले से एक खबर आई थी जहां दीवार गिरने से 9 बच्चों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था। वहीं इस घटना के बाद पीएम मोदी ने एक्ट में ट्वीट करते हुए दुख जताया और कहा कि,'मध्य प्रदेश के सागर में दीवार गिरने से हुआ हादसा हृदयविदारक है। पीएम मोदी ने कहा कि, 'इसमें जान गंवाने वाले बच्चों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'इसके साथ ही पीएम मोदी ने दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। इसके साथ ही घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।'

किशोरी के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के बेहट थाना इलाके में मजदूरी पर जा रही एक नाबालिग लड़की के साथ गांव के ही एक युवक ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया और किशोरी के बेहोश हो जाने पर वहां से फरार हो गया, आरोपी युवक को बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि थाना बेहट क्षेत्र की 15 वर्षीय एक लड़की शनिवार को एक खेत में मजदूरी के लिये जा रही थी, तभी गांव के ही एक युवक ने उसे रास्ते में रोक लिया। पुलिस अधीक्षक जैन ने तहरीर में लगाए गए आरोपों के हवाले से बताया कि युवक ने उसे जबरन खेत में खींच लिया और दुष्कर्म किया।

'पिछड़ा वर्ग फिर बसपा के पीछे लामबंद होगा'

'इंडिया' गठबंधन बेनकाब: उप्र बसपा प्रमुख

लखनऊ। बसपा ने रविवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन द्वारा जनता से किए गए वादों की पोल अब खुल चुकी है और साथ ही लोग यह भी जान चुके हैं कि यह गठबंधन तथा राजग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इसने कहा कि इन दोनों गठबंधनों में से एक 'जुमलेबाज' है, तो दूसरा 'महा जुमलेबाज' है। बसपा की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रमुख विश्वनाथ पाल ने भी विश्वास जताया कि उनकी पार्टी राज्य की 10 सीट पर होने वाले उपचुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगी और पिछड़ा वर्ग फिर से मायावती के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ जुड़ेगा। उन्होंने ने कहा कि अगर राजग 'जुमलेबाज' है, तो 'इंडिया' गठबंधन 'महा जुमलेबाज' है। बसपा नेता ने कहा कि हालांकि केंद्र में कांग्रेस की सरकार नहीं बनी है, लेकिन वह अपने द्वारा किए गए वादों के अनुसार उन राज्यों में सुविधाएं दे सकती है, जहां उसकी सरकार है। पाल ने कहा कि लेकिन वह ऐसा नहीं कर रही है जिसका मतलब है कि वह भी भाजपा की तरह 'जुमलेबाज' पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इस 'महा जुमलेबाजी' को अब जनता अच्छी तरह समझ चुकी है।

उपचुनाव में बसपा मजबूती से लड़ेगी: पाल

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए पीडीए का नारा दिया था जिसका मतलब पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों से है। पाल ने कहा कि उप्र में दस सीटों पर जल्द होने वाले उपचुनाव में बसपा मजबूती से लड़ेगी। उन्होंने कहा कि 2027 का उप्र विधानसभा चुनाव बसपा 2007 के चुनाव की तर्ज पर अकेले लड़ेगी और पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी तथा मायावती फिर से राज्य की मुख्यमंत्री बनेंगी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने हाल में हुए लोकसभा चुनाव में उप्र की 80 सीट पर अकेले चुनाव लड़ा था लेकिन उसका खाता भी नहीं खुला था। इसी तरह 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 403 सीट पर अकेले चुनाव लड़ा था और केवल एक सीट पर ही जीत हासिल कर पाई थी।

चतुर्थ श्रेणी की सभी नौकरियों में आरक्षण का पालन किया जाए : अनुप्रिया पटेल

एजेंसी । लखनऊ

केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रमुख घटक अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने निजी क्षेत्र में चतुर्थ श्रेणी की सेवाओं में नियुक्ति में आरक्षण का पालन करने की अपनी मांग को दोहराते हुए रविवार को कहा कि निजी क्षेत्रों में आउटसोर्सिंग के जरिए चतुर्थ श्रेणी की सभी नौकरियों में आरक्षण का पालन किया जाए। पटेल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'निजी क्षेत्रों में आउटसोर्सिंग के जरिए चतुर्थ श्रेणी के पदों पर की जाने वाली नियुक्तियों में आरक्षण का पालन नहीं किया जाता है। वंचित वर्ग के लोगों को चतुर्थ श्रेणी की नौकरी मिलती थी। जब इन पदों पर आउटसोर्सिंग के जरिए भर्ती की जाती है, तो आरक्षण कानून का पालन नहीं होता है।' उन्होंने कहा, 'हमारी पार्टी चाहती है कि निजी क्षेत्रों में आउटसोर्सिंग के जरिए चतुर्थ श्रेणी की सभी नौकरियों में आरक्षण का पालन किया जाए।'राज्य सरकार द्वारा पेश उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति (सार्वजनिक प्रयोजनों के प्रबंधन और उपयोग) विधेयक, 2024 पर पटेल ने कहा कि यह 'अनावश्यक' है। उन्होंने कहा, 'इसे उच्च सदन द्वारा पहले ही प्रवर समिति को भेजा जा चुका है। समिति इस पर विचार करेगी और अपनी सिफारिश देगी। हमारी पार्टी को लगता है कि यह अनावश्यक है और जनभावनाओं के खिलाफ है।' अयोध्या बलात्कार मामले पर पटेल ने कहा कि 'अपराधियों का कोई धर्म नहीं होता है।'उन्होंने कहा, 'महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए जो भी दोषी है, उसे सजा मिलनी चाहिए। सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।' राज्य में 10 सीटों पर होने वाले उपचुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगा और सभी सहयोगी दल उसके उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे। उन्होंने जाति जनगणना की पार्टी की मांग को भी दोहराया और कहा कि बिहार ने इसकी शुरुआत कर दी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'जातियों की गिनती के साथ, हम उन लोगों को लाभ सुनिश्चित करने के लिए आगे नहीं बढ़ सकते हैं, जिनके लिए यह लक्षित है।'

कार से टकराकर गहरे गड्ढे में गिरी बस, छह की मौत, कई घायल

इटावा। उत्तरप्रदेश के इटावा जनपद में थाना ऊसराहार क्षेत्र के अंतर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बीती देर रात रायबरेली से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस और कार में टक्कर होने के बाद बस अनियंत्रित होकर पचास फीट गहरे गड्ढे में जा गिरी। इस हादसे में बस और कार में सवार छह यात्रियों ने दम तोड़ दिया और करीब 12 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन कर बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर उपचार के लिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती करवाया। हादसे पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी दुख जताते हुए जिला प्रशासन को घायलों का उचित तरीके से इलाज करवाने के निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि थाना ऊसराहार क्षेत्र के अंतर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रायबरेली से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस एक कार की टक्कर के बाद हादसे का शिकार होकर हाइवे के नीचे पचास फीट गहरे गड्ढे में गिर गई। उन्होंने बताया कि यह हादसा बस ड्राईवर को नींद की झपकी आने की वजह से हुआ है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद थाना पुलिस और अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन कर बस में फंसे घायल यात्रियों को निकालकर उपचार के लिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती करवाया है।

उन्होंने बताया कि हादसे में कार और बस में सवार छह यात्रियों की मौत हो गई है। मृतक यात्रियों के नाम प्रद्युम्न (24) पुत्र अरविंद सिंह निवासी ठिटौली तालग्राम कन्नौज, मोनू(25) पुत्र ब्रजेश प्रताप सिंह गदहिया ऊसर तालग्राम कन्नौज,मोनू की मां चंदा(50), वहीं बस में सवार ओम प्रकाश(50) अशरफी निवासी भरसरीया खीरी, राजू शाह निवासी जायस अमेठी और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मृत यात्रियों की शिनाख्त कर उनके परिवारीजनों को हादसे की सूचना दे दी है और घायल यात्रियों का उपचार सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में करवाया जा रहा है।

72 लाख का गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के चोपन थाने की पुलिस ने गांजा की तस्करी करने वाले एक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 72 लाख रुपये का गांजा बरामद किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। सोनभद्र के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) कालू सिंह ने बताया कि शनिवार को रात्रि 9.50 बजे मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उप्र पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और चोपन थाना की पुलिस द्वारा सोन नदी पुल पर एक ट्रक को पकड़ा गया जिसमें जांच करने पर कोयले की राख के नीचे बोरियों में छिपा कर रखा गया कुल 364.40 किलोग्राम गांजा बरामद किया। एएसपी ने बताया कि बरामद किए गए गांजा की कीमत लगभग 72 लाख रुपये आंकी गयी है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्कर की पहचान ट्रक चालक मोहम्मद शकील और ट्रक मालिक शिव प्रसाद मिश्रा (दोनों प्रयागराज जिले के निवासी) के रूप में हुई है।

अनुसूचित जातियों के उप-वर्गीकरण वाले उच्चतम न्यायालय के फैसले से बसपा सहमत नहीं : मायावती

एजेंसी । लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी अनुसूचित जातियों के उप-वर्गीकरण की अनुमति देने वाले उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले से 'सहमत नहीं है'। मायावती ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लोगों के उप-वर्गीकरण की अनुमति दी गई है, हमारी पार्टी इससे बिल्कुल सहमत नहीं है।'

एक ऐतिहासिक फैसले में, उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, जो सामाजिक रूप से विषम वर्ग का निर्माण करते हैं, ताकि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी जातियों के उत्थान के लिए आरक्षण दिया जा सके। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति

पंकज मिथल ने बृहस्पतिवार को कहा कि आरक्षण नीति पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है और अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोगों के उत्थान के लिए नए तरीकों की जरूरत है। मायावती ने कहा, 'क्योंकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों द्वारा अत्याचारों का सामना एक समूह के रूप में किया गया है और यह समूह समान है, इसलिए किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण करना सही नहीं होगा।'

व्यापार जगत

दूरदर्शन ने लॉन्च किये 4 नए कार्यक्रम

सह्याद्री और राष्ट्रीय चैनलों पर प्रसारित होंगे

एजेंसी । नई दिल्ली

दूरदर्शन ने चार नए टेलीविजन कार्यक्रमों की घोषणा की है। ये सभी शोज अगस्त की पहली छमाही में प्रीमियर के लिए निर्धारित किये गए हैं, जो दूरदर्शन के सह्याद्री और राष्ट्रीय चैनलों पर प्रसारित होंगे।

दूरदर्शन मुंबई के प्रमुख संदीप सूद ने बताया कि इन नए शो के नाम 'आमची अनन्या', 'आमचे हे...आमची ही' (डीडी सह्याद्रि), 'वचु आनंदे' और 'हम तो मिडिल क्लास हैं। ये नए कार्यक्रम सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने, साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और दिल को छू लेने वाला मनोरंजन प्रदान करने के प्रति इसके समर्पण को दर्शाते हैं। प्रत्येक शो कहानी कहने का एक अनूठा स्वाद लेकर आता है, जो भारतीय संस्कृति, पारिवारिक जीवन और समृद्धि का जश्न मनाता है।

इन समयों पर होंगे प्रसारित

टीवी शो 'आमची अनन्या' 9 अगस्त से शुरू होने जा रहा है, जो सोमवार से रविवार को शाम साढ़े 7 बजे डीडी सह्याद्रि पर प्रसारित होगा। 'आमचे हे...आमची ही' हर बुधवार को रात साढ़े 8 बजे डीडी सह्याद्रि पर प्रसारित होगा, जिसका पहला एपिसोड 14 अगस्त को ऑन एयर होगा। टीवी शो 'वचु आनंदे' सोमवार और मंगलवार को रात साढ़े 8 बजे डीडी सह्याद्रि पर प्रसारित होगा तो वहीं 'हम तो मिडिल क्लास हैं जी' 1 जुलाई से प्रसारित किया जा चुका है। ये हर रात 8 बजे सोमवार से गुरुवार को डीडी नेशनल पर प्रसारित किया जाता है।

अमारा राजा एनर्जी का जून तिमाही का शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत बढ़कर 249 करोड़ रुपये पर

एजेंसी । नई दिल्ली

अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी (एआरईएंडएम) का चालू वित्त वर्ष (2024-25) की अप्रैल-जून तिमाही के लिए एकीकृत शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत बढ़कर 249.12 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 198.31 करोड़ रुपये रहा था। अमारा राजा एनर्जी ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी परिचालन आय जून तिमाही में बढ़कर 3,263.05 करोड़ रुपये रही है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,796.27 करोड़ रुपये थी। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने उत्पाद रेंज का निर्माण जारी रखेगी, नए क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेगी और अपनी वैश्विक उपस्थिति को मजबूत करेगी। एआरईएंडएम ऊर्जा भंडारण समाधान, लिथियम-आयन सेल विनिर्माण, ईवी चार्जर, ऑटोमोटिव और अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है।

PNB ने खाताधारकों के लिए जारी किया अलर्ट

जल्द निपटा लें ये काम, वरना बंद हो सकते हैं 3 लाख बैंक खाते

एजेंसी । नई दिल्ली

जल्द ही अपना केवाईसी अपडेट नहीं करवाते हैं, तो उनके बैंक अकाउंट को बंद कर दिया जाएगा। जिसके लिए बैंक ने लगभग सवा 3 लाख खाताधारकों को इस संबंध में सूचित करते हुए उन्हें 12 अगस्त 2024 तक KYC अपडेट करने की सलाह दी गई है।दरअसल, पंजाब नेशनल बैंक ने ग्राहकों के लिए अलर्ट जारी किया है। इस दौरान बैंक ने जानकारी देते हुए बताया कि केवाईसी न करवाने पर लगभग सवा 3 लाख बैंक खाते अनऑपरेटिव हो सकते हैं। इसलिए 12 अगस्त 2024 से पहले केवाईसी अपडेट करा लें। ने करने पर बैंक अकाउंट को फ्रीज कर दिया जाएगा। सेविंग और करंट दोनों तरह के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया जाएगा, जिसके बाद ग्राहक पैसे नहीं निकाल पाएंगे।

क्या है केवाईसी अपडेट?

KYC , यानी 'Know Your Customer', एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके तहत बैंक अपने ग्राहकों की पहचान और पते की जानकारी को सत्यापित करते हैं। यह प्रक्रिया वित्तीय सुरक्षा और धोखाधड़ी को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। यदि ग्राहक KYC अपडेट नहीं कराते हैं, तो उनके बैंक खाते को अनऑपरेटिव कर दिया जाएगा, जिससे उन्हें अपनी राशि निकालने में कठिनाई हो सकती है।

ऑनलाइन अपडेट होगी केवाईसी

घर बैठे ऑनलाइन तरीके से भी आप केवाईसी कर सकते हैं। इसके लिए आपको पीएनबी की बैंकिंग सर्विस का लाभ उठाना होगा। यहां सभी जरूरी दस्तावेजों को जमा कर केवाईसी करा सकते हैं। इसके अलावा चाहें तो रजिस्टर्ड ई-मेल के माध्यम से भी आप केवाईसी अपडेट करने का काम पूरा कर सकते हैं।

जोमैटो ने मार्च तक ग्राहकों से मंच शुल्क के रूप में 83 करोड़ जुटाए

एजेंसी । नई दिल्ली

ऑनलाइन ऑर्डर पर खान-पान का सामान पहुंचाने वाले मंच जोमैटो ने इस साल मार्च तक ग्राहकों से मंच शुल्क के रूप में 83 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी की सालाना रिपोर्ट में यह बात कही गई है। जोमैटो ने पिछले साल अगस्त में प्रत्येक ऑर्डर पर मंच शुल्क लेना शुरू किया था। मंच शुल्क को जोमैटो के समायोजित राजस्व को बढ़ाने वाले तीन प्रमुख कारकों में से एक बताया गया है। कंपनी की आमदनी पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 7,792 करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट में कहा गया,'जीओवी (सकल ऑर्डर मूल्य) के प्रतिशत के रूप में समायोजित राजस्व में वृद्धि जारी रही, जिसका मुख्य कारण

रेस्तरां कमीशन दरों में वृद्धि, विज्ञापन मौद्रिकरण में सुधार और पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से प्लेटफॉर्म (मंच) शुल्क की शुरुआत है।' इसमें कहा गया है कि इन सभी कारकों ने 'गोल्ड' ऑर्डरों पर उपलब्ध मुफ्त डिलीवरी लाभ के कारण प्रति ऑर्डर ग्राहक डिलीवरी शुल्क में कमी की भरपाई कर दी। जोमैटो की रिपोर्ट के अनुसार, दिलचस्प बात यह है कि पिछले वित्त वर्ष में देर रात के अधिकांश ऑर्डर दिल्ली एनसीआर से आए थे, जबकि नाश्ते के अधिकांश ऑर्डर बेंगलुरु से आए थे। कंपनी ने पिछले अगस्त में दो रुपये प्रति ऑर्डर मंच शुल्क लेना शुरू किया था, जिसे अब प्रमुख बाजारों में धीरे-धीरे बढ़ाकर छह रुपये कर दिया गया है। जोमैटो की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी स्विगी भी प्रत्येक ऑर्डर पर मंच शुल्क लेती है।

महिलाओं, बच्चों के स्वास्थ्य में निवेश से पर्याप्त लाभ संभव: पीएमएनसीएच कार्यकारी

नई दिल्ली। महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य में निवेश करना न केवल नैतिक अनिवार्यता है, बल्कि आर्थिक नजरिये से भी फायदेमंद है। मातृ नवजात शिशु और बाल स्वास्थ्य भागीदारी (पीएमएनसीएच) के कार्यकारी निदेशक रजत खोसला ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस लिहाज निवेश किए गए प्रत्येक डॉलर पर 4.6 से 71.4 अमेरिकी डॉलर तक का प्रतिफल मिलने का अनुमान है। खोसला ने अपनी दलील के पक्ष में 'भारत में किशोरों के कल्याण में निवेश की आर्थिक स्थिति' रिपोर्ट का हवाला दिया। यह रिपोर्ट केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पीएमएनसीएच और डब्ल्यूएचओ इंडिया के सहयोग से 25 जुलाई को जारी की थी। यह रिपोर्ट 'बदलती दुनिया में किशोर – निवेश की स्थिति' के वैश्विक निष्कर्षों पर आधारित है। खोसला ने एक साक्षात्कार में कहा, 'रिपोर्ट बताती है कि भविष्य के निवेश में भारतीय अर्थव्यवस्था को वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के औसतन 10.1 प्रतिशत तक बढ़ाने की क्षमता है।

ओलंपिक पदक जीतने तक संन्यास नहीं लूंगी: दीपिका

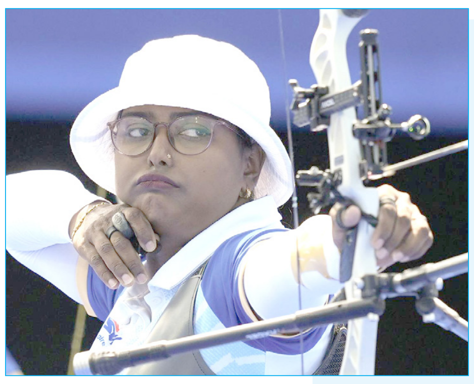

एजेंसी । पेरिस

लगातार चार ओलंपिक में विफल रही कई बार की विश्व कप पदक विजेता तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि वह पोडियम पर पहुंचने तक खेल को अलविदा नहीं कहेंगी और उन्हें लगता है कि चार साल बाद लॉस एंजिलिस में वह ऐसा करने में कामयाब रहेंगी।

दीपिका खेलों के सबसे बड़े मंच पर दबाव भरे हालात में विफल रही हैं। उन्होंने यहां 'इंडिया हाउस' में विशेष बातचीत में कहा, 'निश्चित रूप से मैं भविष्य में और खेलना चाहती हूं और अपना खेल जारी रखूंगी।' उन्होंने कहा, 'मैं ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं और जब तक मैं इसे हासिल नहीं कर लेती, तब तक मैं खेल नह छोड़ूंगी। मैं कड़ी मेहनत करूंगी और मजबूती से वापसी करूंगी।' दीपिका (30 साल) ने कहा, 'मैं और मजबूती से पेश करूंगी। इसमें कई चीजे हैं जैसे तेजी से निशाना लगाना, मुझे इसके बारे में थोड़ा और जानने की जरूरत है और इसके अनुसार खुद को तैयार करना सबसे महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा,'मैं ओलंपिक से यही सीखा है कि देर से निशाना लगाना कारगर नहीं होता, आपके पास बड़ी गलतियों की गुंजाइश नहीं होती। आपको इस पर नियंत्रण रखना होता है। मैं यहां से यह सीख लूंगी।' वह पेरिस में अपने लगातार चौथे ओलंपिक में खेलने उतरीं। दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद खेल में वापसी की। राष्ट्रीय चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने अप्रैल में शंघाई विश्व कप में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता।

लवलीना हारी, मुक्केबाजी में भारतीय अभियान समाप्त

एजेंसी । पेरिस

तोक्यो ओलंपिक की कांस्य विजेता भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) के रविवार को यहां चीन की ली कियान से क्वार्टर फाइनल में हारने से भारत का मौजूदा पेरिस खेलों में मुक्केबाजी अभियान बिना पदक के समाप्त हो गया। इस वर्ग की मौजूदा विश्व चैम्पियन लवलीना (26 वर्ष) को कड़े मुकाबले में तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता 34 साल की ली कियान से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान दोनों मुक्केबाजों को बार-बार 'क्लिंचिंग और होल्ड' करने के लिए चेतावनी दी गई। लवलीना की हार के साथ ही भारत की मुक्केबाजी में चुनौती भी समाप्त हो गई। निशांत देव शनिवार रात पुरुषों के 71 किग्रा क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए थे।

भारत ने पेरिस ओलंपिक में छह मुक्केबाज उतारे थे। इनमें चार महिला और दो पुरुष मुक्केबाज शामिल थे जिसमें से चार तो शुरूआती दौर के मुकाबले हारकर बाहर हो गये थे। लवलीना और चीन की मुक्केबाज के बीच मुकाबला करीबी था। दोनों में से कोई भी पहले हमला करने की इच्छुक नहीं दिख रही थी। एक दूसरे को पकड़ना और जकड़ना मुकाबले के शुरू में ही होने लगा जिसके बाद रैफरी को बार बार दोनों को अलग करना पड़ रहा था। कियान ने पहले राउंड के आखिर में कुछ शानदार सटीक मुक्के जड़े। बायें हाथ के शानदार हुक से उन्होंने प्रभावित करते हुए 3-2 की बढ़त बनाई। दूसरा राउंड भी इसी तरह शुरू हुआ लेकिन कियान के दायें हाथ के मुक्के सीधे अंक जुटाने के लिए काफी थे जबकि लवलीना को प्रतिद्वंद्वी को ज्यादा पकड़ने के लिए चेतावनी दी गई। कियान को फिर तीन जजों ने ज्यादा अंक दिये। लेकिन इस बार अलग अलग जज ने ज्यादा अंक दिये थे जिससे उन्होंने सिर्फ एक कार्ड में ही एक अंक की बढ़त बनाई हुई थी। तीसरे राउंड में भी पकड़ना और जकड़ना जारी रहा जिससे दोनों मुक्केबाज थोड़ी थकी दिख रही थीं। लेकिन कियान ने समझदारी से लवलीना को दूर रखा। लवलीना बार बार जवाबी हमलों पर हिट कर रही थीं और इस राउंड को गंवाकर बाहर हो गईं। असम की लवलीना पिछले साल एशियाई खेलों के फाइनल में भी कियान से 0-5 से हार गई थीं। पर 2023 में विश्व चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में लवलीना ने कियान को हराया था। लेकिन हाल में जून में 'प्री ओलंपिक' टूर्नामेंट में लवलीना को इस अनुभवी खिलाड़ी से हार मिली थी।

सेमीफाइनल में हारे लक्ष्य, कांस्य पदक के मुकाबले में खेलेंगे

एजेंसी । पेरिस

भारत के लक्ष्य सेन दोनों गेम में बढ़त बनाने के बावजूद पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में डेनमार्क के दूसरे वरीय और गत चैंपियन विक्टर एक्सेलसन से सीधे गेम में हार गए और अब कांस्य पदक के मुकाबले में खेलेंगे। ओलंपिक सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष और दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य को रियो ओलंपिक के कांस्य और तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता एक्सेलसन के खिलाफ 54 मिनट में 20-22, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। दो बार के पूर्व विश्व चैंपियन और दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी एक्सेलसन के खिलाफ लक्ष्य की नौ मैचों में यह आठवीं हार है। लक्ष्य अब कांस्य पदक के मुकाबले में मलेशिया के सातवें वरीय ली जी जिया से भिड़ेंगे जिन्हें थाईलैंड के आठवें वरीय कुनलावुत वितिदसार्न के खिलाफ एक अन्य सेमीफाइनल में 14-121, 15-21 से हार झेलनी पड़ी। फाइनल एक्सेलसन और वितिदसार्न के बीच होगा।

ऐसी जीत बरसों बाद देखी, मेरे आंसू रूके ही नहीं : धनराज पिल्लै

एजेंसी । नई दिल्ली

'मेरे आंसू ही नहीं रूक रहे थे, बरसों बाद इतनी अच्छी हॉकी देखी और अब मुझे यकीन हो गया है कि यह टीम 44 साल बाद हमें ओलंपिक का स्वर्ण दिला सकती है', यह कहना है महान हॉकी खिलाड़ी धनराज पिल्लै का।भारतीय टीम ने दस खिलाड़ियों तक सिमटने के बावजूद पेरिस ओलंपिक क्वार्टर फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में ब्रिटेन को 4.2 से हराया तो टीवी के सामने नजरें गड़ाये बैठे धनराज जैसे दिग्गज भी खुशी से उछल पड़े। चार ओलंपिक और चार विश्व कप खेल चुके धनराज ने बातचीत में कहा ,'मेरी आंखों से आंसू अपने आप टपक गए। सिडनी ओलंपिक 2000 के बाद ऐसा मैच पहली बार देखा। श्रीजेश गोलपोस्ट के सामने दीवार की तरह खड़ा था और जितने उसने बचाव किये हैं, वह चमत्कार से कम नहीं।' उन्होंने कहा ,'मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे,मैच देखते समय। मैं इतना खुश हुआ कि पेनल्टी शूटआउट में भारत के चौथे गोल के बाद जोर से चिल्लाने लगा। लोग मुझे बोलने लगे कि अरे बिल्डिंग वाले बाहर निकल आयेंगे लेकिन मैं इतना खुश था कि बता नहीं सकता।' धनराज ने कहा,'बहुत साल बाद मैने मैच का पूरा मजा लिया । एक मिनट के लिये भी जगह से नहीं हटा।'अपनी भावनाओं पर काबू करने की कोशिश करते हुए उन्होंने कहा ,'इस प्रदर्शन की तारीफ के लिये मेरे पास शब्द नहीं है । 42 मिनट क्वार्टर फाइनल दस खिलाड़ियों के साथ खेलना आसान नहीं था। हम रक्षात्मक हुए लेकिन वह जरूरी था । जिस तरीके से श्रीजेश और हमारे डिफेंडरों ने आज खेला और पेनल्टी शूट आउट में चारों ने कमाल का कौशल दिखाया।' सेमीफाइनल के लिये टीम को क्या सलाह देंगे, यह पूछने पर उन्होंने कहा ,'मैं यही सलाह दूंगा कि इसी तरह खेले और खुद पर कोई दबाव नहीं डाले। इस टीम ने जैसे ये छह मैच खेले हैं, मुझे पूरा यकीन है कि 44 साल बाद यह हमें ओलंपिक स्वर्ण पदक दिला सकती है।' उन्होंने कहा,'इस टीम में वह सब कुछ है जो ओलंपिक चैम्पियन बनने के लिये चाहिये। खिलाड़ियों के साथ ही कोचिंग स्टाफ में क्रेग फुल्टोन और शिवेंद्र सिंह को मैं देख रहा था कि कितने ऊर्जा से भरपूर थे और लगातार खड़े होकर निर्देश दे रहे थे।' अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे श्रीजेश को उन्होंने भारत के महानतम खिलाड़ियों की सूची में रखते हुए कहा ,'भारतीय हॉकी ने कई महान खिलाड़ी दिये हैं लेकिन श्रीजेश को लीजैंड की श्रेणी में रखूंगा।उनके जैसा खिलाड़ी एक पीढी में एक आता है।'आखिरी पूल मैच में आस्ट्रेलिया को ओलंपिक में 52 साल बाद शिकस्त देने के बाद श्रीजेश ने कहा था कि वह इस पीढी के खिलाड़ियों के धनराज पिल्लै हैं। धनराज ने कहा ,'मेरे लिये यह बहुत बड़ा काम्पलिमेंट है। अगर कोई मेरे योगदान को इस तरह सराह रहा है और वह भी श्रीजेश जैसा खिलाड़ी तो बहुत गर्व की बात है।

यह दिन भारत का था

सेमीफाइनल में अपना खेल दिखायेंगे : पी आर श्रीजेश

एजेंसी । पेरिस

ब्रिटेन के खिलाफ पेरिस ओलंपिक क्वार्टर फाइनल खेलने से पहले भारत के अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश को ये ख्याल आया था कि यह उनका आखिरी मैच होगा या आगे दो और मैच खेलने का मौका मिलेगा। श्रीजेश के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारत ने ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4.2 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। ब्रिटेन के कई गोल बचाने वाले श्रीजेश ने जीत के बाद कहा ,''एक गोलकीपर का यह रोज का काम है। कई बार अलग हालात होते हैं लेकिन आज हमारा दिन था। शूटआउट में भी हमारे सभी निशाने सटीक लगे। हमारे खिलाड़ियों ने गोल किये और मेरा आत्मविश्वास बढा।' उन्होंने कहा ,'जब मैं मैदान पर आया तो मेरे सामने दो ही विकल्प थे। यह मेरा आखिरी मैच होता या मुझे दो मैच और खेलने का मौका मिलता। आखिरकार अब मुझे दो मैच और मिलेंगे।' उन्होंने कहा ,' सेमीफाइनल में सामने कोई भी हो, हम अपना स्वाभाविक खेल दिखायेंगे। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हम आज एक खिलाड़ी के बिना खेले थे।'

फिल्म 'औरों में कहां दम था' ने दूसरे दिन की जबरदस्त कमाई

नब्बे के दशक की बॉलीवुड की लोकप्रिय जोड़ियों में से एक थी अजय देवगन और तब्बू की जोड़ी। दर्शकों ने इस जोड़ी को खूब पसंद किया। उस समय इस जोड़ी को देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित रहते थे। आजकल फिर यह जोड़ी इस वक्त काफी सुर्खियों में है और इसकी वजह है उनकी नई फिल्म 'औरों में कहां दम था'।

फिल्म 2 अगस्त को रिलीज हुई और फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। एक बार फिर अजय और तब्बू की जोड़ी को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म 'औरों में कहां दम था' ने पहले दिन के मुकाबले दूसरे दिन जबरदस्त कमाई की है। अजय देवगन और तब्बू की 'औरों में कहां दम था' को क्रिटिक्स के साथ-साथ दर्शकों से भी औसत रिस्पॉन्स मिल रहा है। साथ ही कहा जा रहा है कि फिल्म सोशल मीडिया से ज्यादा वर्ड ऑफ माउथ के जरिए दर्शकों तक पहुंच रही है। 'औरों में कहां दम था' की बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत हुई थी। अजय देवगन की इस फिल्म को 15 साल में सबसे कम ओपनिंग देने वाली फिल्म माना जा रहा है, लेकिन दूसरे दिन देखने को मिल रहा है कि फिल्म की कमाई में काफी इजाफा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म 'औरों में कहां दम था' ने पहले दिन 1.85 करोड़ का कलेक्शन किया। इसके बाद शनिवार को कमाई में बढ़ोतरी हुई।

अजय और तब्बू की फिल्म ने दूसरे दिन 2.15 करोड़ का कलेक्शन किया। लिहाजा दो दिनों में फिल्म 'औरों में कहां दम था' ने कुल 4 करोड़ का बिजनेस कर लिया है। महेश मांजरेकर की बेटी सई मांजरेकर फिल्म 'औरों में कहां दम था' में अजय देवगन और तब्बू के साथ नजर आ रही हैं। इसके अलावा शांतनु माहेश्वरी, जिमी शेरगिल अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं।

इस बीच, 'ए वेडनसडे', 'बेबी' और 'स्पेशल 26' जैसी थ्रिलर फिल्मों के लिए जाने जाने वाले निर्देशक नीरज पांडे ने 'औरों में कहां दम था' का निर्देशन किया है। खास बात यह है कि फिल्म 'आरआरआर' के लिए ऑस्कर जीतने वाले एमएम कीरावनी ने अजय और तब्बू की फिल्म का संगीत दिया है।

छोटी स्क्रीन पर जलवा बिखेरने के लिए तैयार है कमल हासन

दिग्गज अभिनेता कमल हासन और शंकर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'इंडियन 2' OTT पर दस्तक देने वाली है। इस एक्शन पैक्ड फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीना हो रहा और अब ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है।

नेटफ्लिक्स ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी ओटीटी रिलीज डेट की घोषणा की है। कमल हासन और शंकर की 'इंडियन 2' 9 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में उपलब्ध होगी।

स्वतंत्रता सेनानी सेनापति की भूमिका में हैं कमल हासन

फिल्म में कमल हासन एक बुजुर्ग स्वतंत्रता सेनानी सेनापति की भूमिका में हैं, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ते हैं। फिल्म में सिद्धार्थ, रकुल प्रीत सिंह, एसजे सूर्या और प्रिया भवानी शंकर भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म को सिनेमाघरों में मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। अब देखना होगा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शकों को ये फिल्म कितनी पसंद आती है।

दूरदर्शन ने लॉन्च किये 4 नए कार्यक्रम

सह्याद्री और राष्ट्रीय चैनलों पर प्रसारित होंगे

दूरदर्शन ने चार नए टेलीविजन कार्यक्रमों की घोषणा की है। ये सभी शोज अगस्त की पहली छमाही में प्रीमियर के लिए निर्धारित किये गए हैं, जो दूरदर्शन के सह्याद्री और राष्ट्रीय चैनलों पर प्रसारित होंगे।

दूरदर्शन मुंबई के प्रमुख संदीप सूद ने बताया कि इन नए शो के नाम 'आमची अनन्या', 'आमचे हे...आमची ही' (डीडी सह्याद्रि), 'वचु आनंदे' और 'हम तो मिडिल क्लास हैं। ये नए कार्यक्रम सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने, साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और दिल को छू लेने वाला मनोरंजन प्रदान करने के प्रति इसके समर्पण को दर्शाते हैं। प्रत्येक शो कहानी कहने का एक अनूठा स्वाद लेकर आता है, जो भारतीय संस्कृति, पारिवारिक जीवन और समृद्धि का जश्न मनाता है।

इन समयों पर होंगे प्रसारित

टीवी शो 'आमची अनन्या' 9 अगस्त से शुरू होने जा रहा है, जो सोमवार से रविवार को शाम साढ़े 7 बजे डीडी सह्याद्रि पर प्रसारित होगा। 'आमचे हे...आमची ही' हर बुधवार को रात साढ़े 8 बजे डीडी सह्याद्रि पर प्रसारित होगा, जिसका पहला एपिसोड 14 अगस्त को ऑन एयर होगा। टीवी शो 'वचु आनंदे' सोमवार और मंगलवार को रात साढ़े 8 बजे डीडी सह्याद्रि पर प्रसारित होगा तो वहीं 'हम तो मिडिल क्लास हैं जी' 1 जुलाई से प्रसारित किया जा चुका है। ये हर रात 8 बजे सोमवार से गुरुवार को डीडी नेशनल पर प्रसारित किया जाता है।

बॉलीवुड की इन फिल्मों के साथ सेलिब्रेट करें फ्रेंडशिप डे

सिखाती हैं सच्ची दोस्ती के मायने

हर साल अगस्त के पहले रविवार को फ्रेंडशिप डे मनाया जाता है। जो दोस्ती के खूबसूरत रिश्ते को समर्पित है। सभी के जीवन में दोस्त होते हैं। ये एक ऐसा अनोखा बंधन है जो बचपन से लेकर बुढ़ापे तक हर स्टेज में साथ रहता है . इसमें अमीर-गरीब, उम्र, जाति, रूप या रंग नहीं देखा जाता है, बस जो हमारे दुख-सुख में साथ होता है, वो दोस्ती का प्यार रिश्ता होता हैं। वहीं इस खास मौके पर फिल्म 'शोले' ने पूरी दुनिया को बताया है कि सच्ची दोस्ती क्या होती है और कैसे एक दोस्त दूसरे दोस्त के लिए अपनी जान तक दांव पर लगा सकता है। वहीं सिर्फ 'शोले' ही नहीं बॉलीवुड की कई ऐसी फिल्में हैं जिनके साथ आपको दोस्ती के सही मायने समझ आएंगे।

1. थ्री इडियट्स- साल 2009 में आई फिल्म 3 इडियट्स उस समय की ब्लॉकबस्टर फिल्म में से एक है। ये फिल्म तीन दोस्तों की कॉलेज लाइफ के सफर की कहानी है, जिसमें इमोशनल, कॉमेडी सब देखने को मिलेगी। ये दोस्त हर वक्त एक दूसरे के साथ खड़े रहते हैं। फिल्म में आमिर खान, आर माधवन, शरमन जोशी, करीना कपूर अहम रोल में हैं।

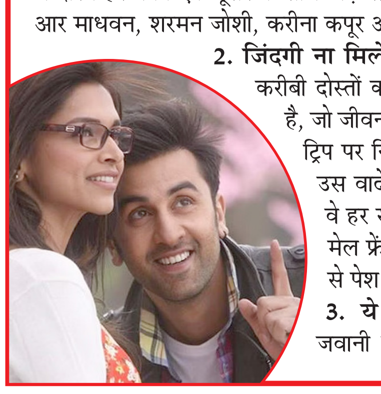

2. जिंदगी ना मिलेगी दोबारा- ये फिल्म तीन करीबी दोस्तों की रोमांचक सफर की कहानी है, जो जीवन को बदल देने वाली एक रोड ट्रिप पर निकलते हैं और साथ ही तीनों उस वादे को हमेशा याद रखते हैं कि वे हर स्टेज पर साथ रहेंगे। ये फिल्म मेल फ्रेंड्स की गहराई को खूबसूरती से पेश करती है।

3. ये जवानी है दीवानी- 'ये जवानी है दीवानी' भी 4 दोस्तों की स्टोरी है जो एक ट्रिप पर साथ जाते हैं और वहां खूब मस्ती और हंगामा होता है। हालांकि, बाद में सभी अपने-अपने रास्ते पर चले जाते हैं और अदिति और नैना एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। दोनों एक-दूसरे को संभालते हैं।

4. छिछोरे- फिल्म 'छिछोरे' आपको हंसाने के साथ साथ इमोशनल भी करती है। इस फिल्म में दोस्तों की अलग-अलग कैटेगरी को खूबसूरती के साथ दिखाया गया है। इस फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत, श्रद्धा कपूर और वरुण शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

5. जाने तू या जानू ना – ये फिल्म उन दोस्तों की कहानी है जो एक-दूसरे पर अपनी जान छिड़कते हैं। दोस्तों में कई बार दूरी आती है, लेकिन दोस्ती कभी पीछे नहीं छूटती। दुखी होने पर दोस्त दूसरे दोस्त को कैसे हंसाते हैं वो आप 'कभी-कभी अदिति' गाने को सुनकर सीख सकते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

इमरान की पार्टी में अभी बाकी है जान, PTI ने बड़ी रैली का किया एलान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी में तमाम झंझावतों के बाद भी जान अभी बाकी है। इमरान खान की पीटीआई यानी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) ने एक बड़ी रैली का एलान कर दिया है। जो कि शरीफ सरकार की मुश्किलो को बढ़ा सकता है। PTI के नेताओं और कार्यकर्ताओं का काफिला खैबर पख्तूनख्वा के स्वाबी में रैली आयोजित करने के लिए कराची से रवाना हो गया है। ये रैली 5 अगस्त को यानी कल निकाली जाएगी। एक्स पर एक पोस्ट में पीटीआई ने कहा कि इमरान खान के एलान पर हम कराची छोड़ रहे हैं। पूरे सिंध से काफिला हमारे साथ जुड़ेगा। एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो भी शेयर किया गया है। इसमें PTI सिंध प्रांतीय अध्यक्ष हलीम आदिल शेख ने कहा कि हमारी पार्टी सिंध का काफिला कराची से स्वाबी के लिए रवाना हो गया। कराची जाते समय पीटीआई के हजारों समर्थक काफिले में शामिल होंगे।

पहले दोस्ती, अब मजबूरी; चीन का साथ छोड़ भारत से मदद मांग रहे मुइज्जू?

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी देश मालदीव के राजनीतिक समीकरणों में एक नया मोड़ देखने को मिल रहा है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, जो अपने कार्यकाल की शुरुआत में भारत विरोधी रुख के लिए जाने जाते थे, अब भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाते नजर आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद भारत की कूटनीति का असर मालदीव पर भी दिखने लगा है, और यह बदलाव मुइज्जू के हालिया कदमों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। मुइज्जू ने सत्ता में आने के बाद भारतीय प्रभाव को खत्म करने की कसम खाई थी, अब वही भारत की तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में मालदीव के स्वतंत्रता दिवस पर सार्वजनिक रूप से भारत को धन्यवाद दिया। यह वही मुइज्जू हैं जिन्होंने पहले भारतीय सैनिकों और भारत द्वारा आपूर्ति किए गए डोर्नियर विमानों और हेलीकॉप्टरों की मालदीव में मौजूदगी पर सवाल उठाए थे। मुइज्जू ने आरोप लगाया था कि इन विमानों और हेलीकॉप्टरों के जरिए भारत मालदीव की निगरानी कर रहा है। लेकिन अब, डोर्नियर एयर एम्बुलेंस ने मालदीव में फिर से मरीजों की देखभाल का काम शुरू कर दिया है।

जेडीयू में शामिल हुए झारखंड के पूर्व मंत्री सरयू राय

पटना। झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सरजू राय ने नीतीश की पार्टी जेडीयू की सदस्यता ली है। जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने उन्हें अपने दिल्ली स्थित आवास पर सदस्यता दिलायी। आपको बता दें कुछ दिनो पहले सरयू राय ने सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था कि पटना मुख्यमंत्री निवास में नीतीश कुमार के साथ भेंट हुई। झारखंड विधानसभा के आगामी चुनाव में हमारी संभावित भूमिका के बारे में संक्षिप्त परंतु फलदायक चर्चा हुई। साथ में झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ने पर सहमति बनी। शेष चुनावी औपचारिकताओं पर JDU नेतृत्व शीघ्र निर्णय लेगा। जिसके बाद सोमवार को सरयू राय जेडीयू में शामिल हो गए हैं। सरयू राय पूर्व में झारखंड सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। वह जमशेदपुर-पश्चिम सीट से भी विधायक रह चुके हैं। उन्होंने 2005 में पहली बार यहां से चुनाव जीता था।

'अरविंद केजरीवाल शेर हैं, वह ना टूटेंगे और ना मोदी के सामने झुकेंगे'

हरियाणा में BJP पर जमकर बरसीं सुनीता केजरीवाल

एजेंसी | हिसार

हरियाणा में इस साल विधानसभा के चुनाव होने है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी राज्य में अपने दम पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। पार्टी की ओर से इसको लेकर अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने सोहना में एक जनसभा को संबोधित किया। सुनिता केजरीवाल ने इस दौरान कहा कि क्या कोई और पार्टी है जिसने सरकारी स्कूलों, अस्पतालों की हालत सुधारी हो, मुहल्ला क्लिनिक बनाये हों, मुफ्त बिजली दी हो? उन्होंने जोर देते हुए कहा कि देश में ऐसे सभी विकास कार्य केवल अरविंद केजरीवाल ही कर सकते हैं।

केजरीवाल ने हरियाणा को गौरवान्वित किया

अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि पीएम मोदी ऐसे विकास कार्य नहीं कर पा रहे हैं। अरविंद केजरीवाल के ऐसे विकास कार्यों को रोकने के लिए पीएम मोदी ने उन्हें फर्जी केस में जेल में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के बेटे अरविंद केजरीवाल पीएम मोदी के सामने नहीं झुकेंगे। 2014 में जब नरेंद्र मोदी पीएम बने तो गुजरात की जनता ने उनके समर्थन में वोट किया। उन्होंने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल ने पूरे देश में हरियाणा को गौरवान्वित किया है। आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक भी वोट नहीं मिलना चाहिए।

'हरियाणा के लाल केजरीवाल ने देश की राजनीति को बदलकर रख दिया'

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल जी हरियाणा के लाल हैं। हरियाणा का यह लाल दिल्ली का मुख्यमंत्री बना और देश की राजनीति को बदलकर रख दिया। केजरीवाल जी ने Zero से शुरुआत की है। उन्होंने अपनी पार्टी बनाई और दिल्ली में पहली बार चुनाव लड़ा और पहली बार में ही दिल्ली की जनता ने उन्हें अपना मुख्यमंत्री चुन लिया।

'प्रदेश के सभी घरों में 24 घंटे और मुफ़्त दी जाएगी बिजली'

उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने पंजाब और दिल्ली में भी गारंटी दी थी और वहां काम हो रहा है। अब केजरीवाल ने हरियाणा की जनता को भी पांच गारंटी दी हैं। प्रदेश के सभी घरों में 24 घंटे और मुफ़्त बिजली दी जाएगी। सभी गांवों में मोहल्ला क्लिनिक बना कर लोगों का मुफ़्त इलाज किया जाएगा। हरियाणा के सरकारी स्कूलों को शानदार बनाया जाएगा, जहां बेहतरीन शिक्षा मिलेगी। हरियाणा की माताओं-बहनों को मुफ़्त बस सफ़र की सुविधा दी जाएगी। हर बेरोज़गार युवा को रोज़गार दिया जाएगा। उन्होंने लोगों से कहा कि आपके बेटे ने दिल्ली और पंजाब को बदल दिया है। मोदी से जनता का हित और उनका काम देखा नहीं गया और उन्होंने हरियाणा के लाल - अरविंद केजरीवाल को गिरफ़्तार करा दिया। लेकिन हरियाणा वाले मोदी के इस अन्याय का बदला लेंगे और केजरीवाल के साथ हुए अन्याय का बदला लेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी ने हरियाणा के लोगों को चुनौती दी है कि मैंने आपके बेटे को जेल में डाल दिया है, अब जो करना है कर लो। क्या आप लोग यह अन्याय सहेंगे? मैं नरेंद्र मोदी को बता दूं कि अरविंद केजरीवाल शेर हैं और वह आपके सामने ना टूटेंगे और ना ही झुकेंगे।

अयोध्या बलात्कार पीड़िता के परिजन से मिला भाजपा प्रतिनिधिमंडल

कहा- दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा

एजेंसी | अयोध्या

राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बलात्कार पीड़िता के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद बाबूराम निषाद ने कहा कि हमने पीड़िता की मां से बात की और हम पूरी रिपोर्ट राष्ट्रीय नेतृत्व को सौंपेंगे। उन्होंने दावा किया कि हमारी उत्तर प्रदेश सरकार इस अपराध को अंजाम देने वाले आरोपियों को बख्शने वाली नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार उनके (आरोपियों) खिलाफ ऐसी कार्रवाई करेगी कि कई पीढ़ियां याद रखेंगी।

विपक्ष पर वार करत हुए भाजपा नेता ने कहा कि अखिलेश यादव डीएनए जांच की बात करते हैं। वह पीडीए की बात करते हैं लेकिन इस बेटी का दर्द उन्हें दिखाई और सुनाई नहीं देता। उन्होंने आगे कहा कि मैं सीएम योगी आदित्यनाथ से अनुरोध करता हूं कि 5 लाख रुपए की वित्तीय राशि को बढ़ाकर 25 लाख रुपए किया जाए। राज्यसभा सांसद संगीता बलवंत ने कहा कि मैं पीड़िता की मां से मिली हूं। हमने उनका दर्द समझने की कोशिश की। सीएम ने आरोपियों पर कार्रवाई की। हमने उसे आश्वस्त किया है कि वह डरे नहीं और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समाजवादी पार्टी ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया

बीजेपी नेता नरेंद्र कुमार कश्यप ने कहा कि सभी आरोपियों को सजा दी जाएगी और जांच की जा रही है। हम अधिकारियों से बात करेंगे। यह एक गंभीर घटना है। समाजवादी पार्टी ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया है। पुलिस के मुताबिक, मोइद खान और राजू खान ने दो महीने पहले लड़की से बलात्कार किया था और इस कृत्य को रिकॉर्ड भी किया था। उसने बताया कि मेडिकल जांच में लड़की के गर्भवती होने की बात सामने आने के बाद घटना का खुलासा हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि मोइद खान समाजवादी पार्टी (सपा) का सदस्य है और फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद की टीम का हिस्सा है। योगी ने पिछले बृहस्पतिवार को विधानसभा में कहा था, यह अयोध्या का मामला है। मोइद खान सपा से जुड़ा हुआ है और अयोध्या के सांसद की टीम का सदस्य है। उसे 12 साल की बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार में शामिल पाया गया है। समाजवादी पार्टी ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। अयोध्या जिला प्रशासन ने शनिवार को मोइद खान की बेकरी को ध्वस्त कर दिया था।

कम होंगी वक्फ बोर्ड की शक्तियां

बड़े संशोधन की तैयारी में मोदी सरकार, संसद में पेश हो सकता है बिल

एजेंसी | नई दिल्ली

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार वक्फ अधिनियम में संशोधन करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिससे वक्फ बोर्ड की शक्तियां सीमित हो जाएंगी। शुक्रवार को कैबिनेट ने एक्ट में कुल 40 संशोधनों को मंजूरी दे दी। सूत्रों की ओर से इस बात की जानकारी दी गई है। सूत्रों के अनुसार, इन संशोधनों का उद्देश्य किसी भी संपत्ति को 'वक्फ संपत्ति' के रूप में नामित करने के वक्फ बोर्ड के अधिकार को प्रतिबंधित करना है।

अनिवार्य सत्यापन का प्रस्ताव

सूत्रों ने कहा कि प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार, वक्फ बोर्डों द्वारा संपत्तियों पर किए गए दावों को अनिवार्य रूप से सत्यापित किया जाएगा। इसी प्रकार, वक्फ बोर्डों की विवादित संपत्तियों के लिए अनिवार्य सत्यापन का प्रस्ताव किया गया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि वक्फ अधिनियम में संशोधन के लिए एक विधेयक अगले सप्ताह संसद में पेश किये जाने की संभावना है। वक्फ बोर्ड के पास लगभग 9.4 लाख एकड़ की कुल 8.7 लाख से अधिक संपत्तियां हैं। 2013 में यूपीए सरकार ने मूल कानून में संशोधन कर वक्फ बोर्डों को और अधिक शक्तियां दे दी थीं।

यूपीए सरकार ने मूल वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन कर किया था मजबूत

वक्फ अधिनियम, 1995, एक वक्फ द्वारा 'औकाफ' (दान की गई और वक्फ के रूप में अधिसूचित संपत्ति) को विनियमित करने के लिए अधिनियमित किया गया था। 2013 में, यूपीए सरकार ने मूल वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन के माध्यम से इन बोर्डों के अधिकार को मजबूत किया। यह अधिनियम 'औकाफ' को विनियमित करने के लिए स्थापित किया गया था - एक वक्फ, व्यक्ति द्वारा दान की गई और वक्फ के रूप में नामित संपत्तियां - जो मुस्लिम कानून द्वारा पवित्र, धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त उद्देश्यों के लिए संपत्ति समर्पित करता है। प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य बोर्डों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करके समावेशिता को बढ़ाना है।

सुनीता को बचाने के लिए नासा के पास सिर्फ 14 दिन

एजेंसी | वाशिंगटन

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर बीते दो महीने से अंतरिक्ष में फंसे हैं। दोनों अंतरिक्ष यात्री अपने बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में तकनीकी समस्याओं के कारण अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) से वापस नहीं आ पाए हैं। अब नासा के सामने इनको सुरक्षित वापस लाने के लिए कुछ ही दिन बचे हैं।

वापसी में आ रही दिक्कत

बोइंग स्टारलाइनर दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को पांच जून को आईएसएस में लेकर गया था। 13 जून को ISS पर जैसे ही स्टारलाइनर पहुंचा, यान के थ्रस्टर्स और हीलियम सिस्टम में समस्या आ गई। शुरू में एक सप्ताह के मिशन के बाद पृथ्वी पर लौटने वाला था, लेकिन समस्या के चलते उनकी वापसी में देरी हुई।

केवल 14 दिन बचे

सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर को फंसे हुए कई दिन हो गए और अब नासा के पास उन्हें वापस लाने और समस्या को ठीक करने के लिए केवल 14 दिन बचे हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि इसके बाद क्रू-9 मिशन आ जाएगा। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने 5 जून 2024 को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से उड़ान भरी थी।

ये हो सकती है परेशानी

नासा के क्रू-9 मिशन आने के बाद सुनिता और उनके साथी को बचाने में और मुश्किलें आएंगी। जैसे ही क्रू-9 मिशन लॉन्च होगा, इसे आईएसएस से जुड़ने से पहले स्टारलाइनर को डॉकिंग पोर्ट से हटाना होगा। इससे नासा का काम और मुश्किल हो जाएगा। क्रू-9 मिशन 18 अगस्त तक लॉन्च हो सकता है।

मिशन में आई समस्या

सुनिता विलियम के मिशन स्टारलाइनर को उसकी पहली मानवयुक्त उड़ान में परखना था, जो बोइंग के वाणिज्यिक क्रू कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इंजीनियरों ने अंतरिक्ष यान के सर्विस मॉड्यूल में पांच छोटे हीलियम लीक की खोज की। इन समस्याओं के कारण स्टारलाइनर सुरक्षित रूप से अनडॉक होकर पृथ्वी पर वापस नहीं आ पाया। सुनीता विलियम्स सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अपने अंतरिक्ष यान में तकनीकी समस्याओं के कारण जून से ही ISS पर अटके हुए हैं।

बंगाल स्कूल भर्ती घोटाला

ईडी ने तृणमूल विधायक जीवन कृष्ण साहा के खिलाफ समन जारी किया

एजेंसी | कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बंगाल के विद्यालयों में भर्ती में कथित अनियमितताओं को लेकर जारी जांच के सिलसिले में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कृष्ण साहा को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि साहा को घोटाले में संलिप्तता के आरोप में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पिछले साल गिरफ्तार किया था और उन्हें बाद में जमानत दे दी गई थी। उन्होंने बताया कि साहा को एजेंसी के कोलकाता स्थित कार्यालय में सोमवार को ईडी अधिकारियों के समक्ष पेश होने को कहा गया है। ईडी के अधिकारी ने

कहा कि उनसे स्कूल भर्ती घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए सोमवार सुबह हमारे कार्यालय आने को कहा गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इससे पहले साहा की पत्नी से भी पूछताछ की थी। सीबीआइ ने कई दिनों की पूछताछ के बाद साहा को अप्रैल 2023 में गिरफ्तार किया था। उन्हें इस साल मई में रिहा किया गया था।

मध्य पूर्व में युद्ध तेज होने की आशंका

हिजबुल्लाह ने रातोंरात इजरायल पर दाग दिए ढेरों मिसाइल

एजेंसी | लेबनान

लेबनान के ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह ने कहा है कि उसने इज़राइल पर दर्जनों रॉकेट दागे हैं जिससे मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है। यह घटनाक्रम तब हुआ है जब ईरान और उसके सहयोगियों ने हमास के राजनीतिक ब्यूरो प्रमुख इस्माइल हानियेह की हत्या के लिए इज़राइल को दोषी ठहराया है। क्षेत्रीय युद्ध की आशंका चरम पर है क्योंकि ईरान ने इज़राइल से बदला लेने की कसम खाई है जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा है कि वह इस क्षेत्र में युद्धपोत और लड़ाकू विमान भेजेगा। पश्चिमी सरकारों ने भी नागरिकों से लेबनान छोड़ने का आह्वान किया और एयरलाइंस ने उड़ानें रद्द कर दीं।

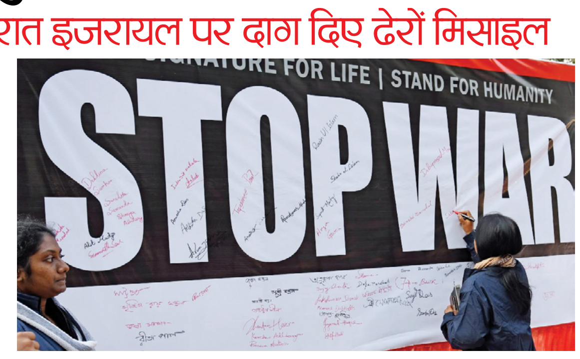

अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों से देश छोड़ने का आग्रह किया

बेरूत में अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों से 'किसी भी उपलब्ध टिकट' पर देश छोड़ने का आग्रह किया, जिसके बाद ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने भी इसी तरह की चेतावनी दी, जिन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्थिति 'तेजी से बिगड़ सकती है'। ईरान और उसके 'प्रतिरोध की धुरी' ने इस सप्ताह तेहरान में हनियेह की हत्या के बाद प्रतिशोध की कसम खाई, जो बेरूत में हिज्बुल्लाह के सैन्य प्रमुख की हत्या के कुछ ही घंटों बाद हुई थी।

जिंदा सांप हाथ में लेकर अस्पताल पहुंचा शख्स

डॉक्टर से बोला- 'साहेब इसी ने काटा है'

एजेंसी | समस्तीपुर

बिहार के समस्तीपुर जिले से एक हैरान कर देने वाला सामने आया है। यहां एक युवक को काम करते समय सांप ने काट लिया था। जिसके बाद युवक ने सांप को हाथ में पकड़ लिया, फिर अस्पताल इलाज करवाने पहुंच गया। अस्पताल परिसर में जिंदा सांप को देखकर वहां मौजूद लोगों के बीच हड़कंप मच गया है। युवक के हाथों में सांप को देखकर आस-पास मौजूद स्टॉफ और अन्य मरीज भी डर गए। हालांकि डॉक्टरों के समझाने के बाद मरीज ने सांप को

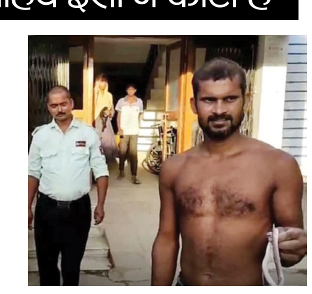

दूर ले जाकर छोड़ दिया। वहीं, अब युवक का सांप के साथ का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सांप के काटने के बाद अस्पताल पहुंचे युवक ने बताया कि घर में ईंट हटाने के दौरान अचानक सांप ने काट लिया।

सिस्टम की पोल खोल रही तस्वीरें

स्कूल क्लास में छाता लगाकर पढ़ते हैं बच्चे, रस्सियों से बंधे हैं खिड़की-दरवाजे

एजेंसी | कटनी

स्कूल की टपक रही छत, छाता लगाकर पढ़ाई करते बच्चे, खतरे के साये में शिक्षा प्राप्त करते नौनिहाल। सरकारी सिस्टम और शिक्षा विभाग की पोल खोलती ये तस्वीर मध्य प्रदेश के कटनी शहर से चंद किलोमीटर की दूरी पर स्थित सूफी संतनगर शासकीय प्राथमिक स्कूल गायत्री तपोभूमि कैलवारा खुर्द की है। जिले में एक ऐसा स्कूल है, जहां छाता क्लास संचालित हो रही है। शासकीय प्राथमिक शाला तपोभूमि स्कूल जहां कक्षा एक से पांचवीं तक के बच्चे पढ़ाई करते हैं, लेकिन कई सालों से स्कूल भवन जर्जर हालत में है।

अभिभावकों में आक्रोश, कई बच्चे पढ़ने नहीं आ रहे

जर्जर बिल्डिंग में स्कूल संचालन को लेकर परिजन में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। दूसरी कक्षा की छात्रा की मां श्यामकली बाई का कहना है कि बच्चे स्कूल में पढ़ाई के लिए छाता लेकर जाते हैं। यहां पर कभी भी हादसा हो सकता है। इसलिए अब बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे। यहां पर नई बिल्डिंग बनना चाहिए। बच्चों ने कहा कि छत से पानी टपक रहा है, इसलिए छाता लगाकर पढ़ाई करना पड़ती है। कई बार तो ये समझ नहीं आता कि हाथ में कलम पकड़ें या छाता। वहीं, कई छोट छोटे बच्चे तो पढ़ने के लिए ब्लेक बोर्ड देखने के बजाए पूरे टाइम टपकती छत देखकर ही घर चले जाते हैं।

छत से बहती रहती है पानी की धारा

लगातार बारिश से स्कूल भवन जर्जर होने के साथ ही छत से पानी की धारा बहती रहती है। छोटे-छोटे मासूम बच्चे और शिक्षक छाता लगाकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। स्कूल शिक्षकों कि माने तो शिक्षा विभाग को अनेकों बार पत्राचार करके समस्या से अवगत कराया है, लेकिन अबतक किसी भी जिम्मेदार ने जर्जर हालत के इस स्कूल की सुध नहीं ली। बड़े हादसे की आशंका के बीच बच्चे अध्यन करने को मजबूर हैं। रोजाना स्कूल में 15 से 20 बच्चे पढ़ाई करने पहुंच रहे हैं जो लगातार बारिश से स्कूल में जल भराव के बीच बैठने और छाता लगाकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

अफसरों की अनदेखी

प्रधानाध्यापिका द्वारा स्कूल की जर्जर हालत की स्थिति से 1 साल से विभागीय अफसरों को अवगत कराया जा रहा है। इनमें बीआरसी, डीपीसी, जिला शिक्षा अधिकारी को समस्या से अवगत करा चुके हैं। लेकिन अधिकारी हैं कि ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। बीआरसी को की शिकायत के अनुसार, स्कूल की दीवारें नीव छोड़ चुकी हैं। दीवारों में बड़ी बड़ी दरारें पड़ी हुई हैं, खिड़की और दरवाजों को रस्सी से बांधना पड़ा है। कुल मिलाकर पूरा स्कूल भवन जर्जर हो चुका है। यहां रसोई घर भी नहीं। यहां बच्चों और शिक्षकों दोनों की ही जान खतरे में है। इस पूर मामले से कई बार विभाग के अफसरों को अवगत कराया जा चुका है, बवाजूद इसके अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे।

ब्रिटेन में हो रहा भारी हिंसक प्रदर्शन

90 लोग गिरफ्तार, सरकार ने पुलिस को दी खुली छूट

एजेंसी | लंदन

फेमस सिंगर टेलर स्विफ्ट की थीम वाली डांस पार्टी में तीन छोटी बच्चियों की हत्या हो गई थी। इसके बाद ब्रिटेन के कई शहरों में धुर दक्षिणपंथी शनिवार द्वारा हिंसक प्रदर्शन किया जाने लगा। प्रदर्शकारियों की हिंसा के दौरान 90 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हिंसक प्रदर्शन के दौरान लीवरपूल, हल, ब्रिस्टल, मैनचेस्टर, ब्लैकपूल और बेलफास्ट में बोतलें फेंकी गईं। दुकानें लूट ली गईं। जब प्रदर्शनकारियों का इतने से भी मन नहीं भरा तो पुलिस अफसरों पर भी हमले किए गए। हालांकि सभी सारे प्रदर्शन हिंसक नहीं थे।

पीएम कीर स्टार्मर का पुलिस को समर्थन

प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने पुलिस का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि नफरत पैदा करने वाले अतिवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस को सरकार का पूरा समर्थन है। हिंसक प्रदर्शन के दौरान लीवरपूल में पुलिस पर ईंटें फेंके गए। साथ ही बोतलें और फ्लेयर भी पुलिस अधिकारियों पर फेंके गए। यहां तक कि एक पुलिस अफसर पर कुर्सी से हमला भी किया गया, जिसमें उनके सिर पर चोट भी आई है। हिसंक प्रदर्शनकारी यहीं नहीं रुके एक और पुलिस अफसर को लात मारकर उनको मोटसाइकिल से गिरा दिया।